हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक–263 : जौनपुर, सोमवार 26 जून 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

आपातकाल के दौरान तानाशाही का विरोध करने वालों को नमन :योगी आदित्यनाथ

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य

मंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को आपातकाल की बरसी पर भारत के महान लोकतंत्र को अक्षुण्ण रखने के लिए बिना डरे क्रूर तानाशाही का मुखर विरोध करने वाले लोगों को नमन किया। वहीं, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस पर जमकर हमला किया, जबकि ब्रजेश पाठक ने आपात काल के विरोध में उठी हर आवाज को नमन किया। आपातकाल की बरसी पर योगी ने ट्वीट किया, "भारत के महान लो कतंत्र को अक्षुण्ण रखने के लिए बिना डरे, बिना डिगे, बिना झुके क्रूर तानाशाही का प्रखर प्रतिकार करने वाले समस्त हुतात्माओं को नमन।"इस ट्वीट के साथ योगी ने एक तस्वीर साझा की, जिसमें '25 जून 1975 आपात काल एक कलंक' पंक्ति को प्रमुखता से उभारा गया है। वहीं, मौर्य ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए ट्विटर पर लिखा, "कांग्रेस का मतलब आपातकाल, भाजपा का मतलब अमृतकाल! कांग्रेस को ताना शाही में, भाजपा को लोकतंत्र शाही में विश्वास।"एक अन्य ट्वीट में मौर्य ने कहा, "कांग्रेस के डीएनए में लोक तंत्र नहीं तानाशाही है! 'कांग्रेस मुक्त भारत' देश और लोक तंत्र के लिए जूरूरी है।" उपम ुख्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने ट्वीट किया,"भार तीय लोक तंत्र और राज नीति के सबसे काले अध्याय 25 जून 1975 को लगाए गए आपात काल के विरोध में उठी हर आवाज को सादर नमन।" गौरत लब है कि 25 जून 1975 को देश में आपातकाल लगाने की घोषणा की गई थी और उस समय केंद्र में इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार थी। आपात काल को 21 मार्च 1977 को हटा लिया गया था।

नोएडा में ईस्टर्न पेरीफेरल पर भीषण सड़क हादसे में 3 की मौत

संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में बने ईस्टर्न पेरिफेरल पर एक भीषण हादसा हो गया। जिसमें कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि गाड़ी को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी है जिसके बाद गाड़ी पलट गई। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां तीनों घायलों की मौत हो गई। गाड़ी से 3 लाख कैश मिले हैं जो उनके परिजनों को सौंप दिए गए। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, रविवार सुबह करीब 4 बजे थाना दादरी इलाके में ईस्टर्न पेरिफेरल डासना की ओर से आ रही क्रेटा गाड़ी यूपी 13 बीएम 9599 ईस्टर्न पेरीफेरल पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इसमें तीन व्यक्ति संजीव उम्र 25 वर्ष, प्रखर उम्र 25 और हनी उम्र 22 वर्ष घायल हो गए। घायलों को तत्काल एंबुलेंस द्वारा अशोका हॉस्पिटल दादरी ले जाया गया। वहां से तीनों को हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया।

उत्तराखंड में मानसून की दस्तक, मुख्यमंत्री धामी ने बारिश से उत्पन्न हालात का जायजा लिया

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में मानसून के दस्तक देने और अगले कुछ दिन तक बारिश जारी रहने के पूर्वानुमान के बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को आपदा नियंत्रण कक्ष का दौरा कर प्रदेश के हालात का जायजा लिया तथा चारधाम श्रद्धालुओं से मौसम की अद्यतन जानकारी लेकर ही यात्रा करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने सचिव आपदा प्रबंधन डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा सहित नियंत्रण कक्ष में मौजूद विभिन्न अधिकारियों से प्रदेश में बारिश की स्थिति और उससे हुए जलभराव एवं नुकसान के बारे में जानकारी ली। धामी ने अधिकारियों को उन जिलों के साथ लगातार संवाद और समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया, जहां अत्यधिक बारिश हो रही है और आगे भी भारी वर्षा जारी रहने का अनुमान है, ताकि आपात स्थितियों से समय रहते निपटा जा सके। उन्होंने इस संबंध में जिला अधिकारियों से आपदा राहत एवं बचाव कार्यों के लिए हमेशा अलर्ट मोड में रहने और पुलिस तथा राज्य आपदा

प्रतिवादन बल (एसडी आरएफ) के साथ ही स्वास्थ्य कर्मियों की भी पर्याप्त व्यवस्था रखने को कहा।मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड में नदी– नालों के आसपास रहने वाले लोगों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से प्रत्येक जिले में पर्याप्त मात्रा में रैन बसेरों और राहत सामग्री की व्यवस्था करने को भी कहा, ताकि बारिश के कारण घर छोड़ने वाले लोगों को असुविधा न हो। धामी ने कहा कि जलभराव की स्थिति में पानी की निकासी की पर्याप्त व्यवस्था की जाए और आपदा की दृष्टि से संवेदनशील जगहों पर पहले से जेसीबी मशीन तैनात की जाए। उन्होंने भारी बारिश के मद्देनजर उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित चारों धाम की वर्तमान स्थिति की भी जानकारी ली और केदारनाथ धाम का ऑनलाइन अवलोकन किया।मुख्यमंत्री ने बाद में संवाद दाताओं से बातचीत में चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं से अपील की कि वे मौसम की अद्यतन जानकारी लेकर ही यात्रा करें। उन्होंने कहा, "मैं श्रद्धालुओं से अपील करता हूं कि अगर मौसम ज्यादा खराब हो, तो वे अपनी यात्रा को रोक दें और मौसम विभाग की भविष्यवाणी के अनुसार चलें।"इस बीच, विभिन्न क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश से प्रदेश में कई जगहों पर भूस्खलन के कारण सड़कें बंद हो गई हैं, जबकि गंगा सहित कई नदियों का जलस्तर बढ़ गया है।

भारत के इतिहास में वीर सावरकर का अहम योगदान : ब्रजेश पाठक

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शनिवार को वीर सावरकर के इतिहास को माध्यमिक शिक्षा परिषद के पाठ्यक्रम में शामिल किये जाने की सराहना करते हुए कहा कि भारत के इतिहास में वीर सावरकर का अहम योगदान है। पाठक ने शनिवार को जिले के हल्दी रामपुर गांव में संवाददाताओं से बात चीत में सावरकर का इतिहास माध्य मिक शिक्षा परिषद के पाठ्यक्रम में शामिल करने से जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा सावरकर हमारे पूर्वज हैं, भारत के इतिहास में उनका अहम योगदान है। पुराने राजपाट चलाने वालों ने ऐसे लोगों को हटा दिया अकबर, हुमायूं , शाहजहां का इतिहास पढ़ाते रहे, जिन्होंने हमारे देश पर आक्रमण किया था। अब वास्तविक इतिहास को हम देश के

सामने रख रहे हैं।गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने नौवीं से 12वीं तक की कक्षा के नैतिक, योग तथा खेल एवं शारीरिक शिक्षा पाठ्यक्रम में विनायक दामोदर सावरकर,छत्रपति शिवाजी, बिरसा मुंडा सहित 50 महापुरुषों की जीवन गाथा शामिल की है।उत्तर प्रदेश माध्य मिक शिक्षा परिषद के सचिव दिव्य कांत शुक्ल ने पीटी आई– को बताया, ''नौवीं से 12वीं कक्षा की नैतिक शिक्षा के पाठ्य क्रम में 50 महा पुरुषों की जीवन गाथा जोड़ी गई है। इसके अलावा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र से कई चीजें कंप्यूटर के पाठ्यक्रम में शामिल की गई हैं।'' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि विरासत से संपत्ति मिल सकती है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को लोकतंत्र में जनता ने बुरी तरह से नकार दिया है।पाठक ने शुक्रवार को पटना में हुई विपक्षी दलों की बैठक से जुड़े एक सवाल के जवाब में कटाक्ष करते हुये कहा, विपक्षी दलों के नेता कुर्सी के लिए इकट्ठा हो रहे हैं। पटना में विपक्षी दलों की हुई बैठक में गंभीरता से चर्चा होने के बजाय शादी को लेकर चर्चा की गई। उन्हें न देश की चिंता है और न ही चुनाव की।

चार लाख से अधिक लोग प्रभावित, अमित शाह ने मदद का आश्वासन दिया

एजेंसी

गुवाहाटी। असम में बाढ़ की स्थिति रविवार को भी गंभीर बनी रही और बाढ़ से नौ जिलों में चार लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। हालांकि बाढ़ का पानी अब धीरे धीरे घटने लगा है। एक अधिकारी ने यह जान कारी दी। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के एक अधिकारी ने कहा कि इस साल राज्य के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ की पहली लहर में तीन लोगों की जान गई है। एएसडीएमए की रिपोर्ट के अनुसार, बाढ़ से बक्सा, बारपेटा, दरांग, धुबरी, गोल पारा, कामरूप, लखीमपुर, नलबाड़ी और उदलगुरी जिलों में 4,07,700 लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारी ने कहा कि कुछ इलाकों में जलस्तर अब घटना शुरू हो गया है। इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से बात की और उन्हें राज्य में बाढ़ की

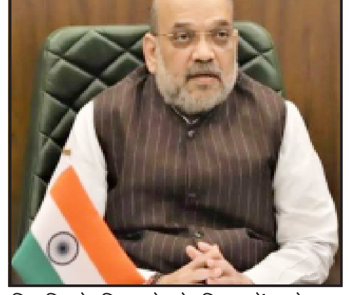

स्थिति से निपटने के लिए केंद्र से हर संभव मदद का आश्वासन दिया।शाह ने यह भी कहा कि प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार इस कठिन समय में हमेशा असम के लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने ट्वीट किया, ''भारी बारिश के कारण असम के कुछ हिस्सों में लोग बाढ़ जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं। मैंने मुख्यमंत्री श्री हिमंत विश्व शर्मा जी से बात की है और हर संभव सहायता का आश्वा सन दिया है।एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा मोचन बल) की टीम पहले से ही राहत और बचाव अभियान चला रही हैं और पर्याप्त कार्यबल तैनाती के लिये तैयार हैं।'' शाह के ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए शर्मा ने इस संबंध में ''तुरंत प्रतिक्रिया'' देने और राज्य में बाढ़ की स्थिति को लेकर चिंता जताने पर उनका आभार जताया। मुख्यमंत्री ने कहा, ''असम सरकार 'हाई अलर्ट' पर है और प्रभावित लोगों को हर संभव मदद उपलब्ध करा रही है।'' प्रशासन इन जिलों में 101 राहत शिविर का संचा लन कर रहा है, जहां 81,352 लोगों ने शरण ले रखी है और पांच जिलों में 119 राहत वितरण केंद्र चलाए जा रहे हैं। एएसडीएमए ने कहा कि वर्तमान में 1,118 गांव जलमग्न हैं और 8,469.56 हेक्टेयर में लगी फसल नष्ट हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बक्सा, बारपेटा, सोनितपुर, धुबरी, कामरूप, कोकराझार, नलबाड़ी, दक्षिण सलमारा और उदलगुरी में भारी भूमि कटाव देखा गया है। करीम गंज में कुछ स्थानों पर भारी बारिश के कारण भूस्खन की घटनाओं की भी खबर है।दरांग, सोनितपुर, काम रूप, गोला घाट, नलबाड़ी, बारपेटा, बक्सा, बोंगाई गांव, धुबरी, गोलपारा, करीम गंज, कोकर ाझार, उदलगुरी और लखीमपुर में बाढ़ के पानी से तटबंध, सड़कें, पुल और अन्य बुनि यादी ढांचे क्षतिग्रस्त हो गए हैं। एएसडीएमए ने कहा कि दरांग जिले में कई स्थानों पर शहरी इलाके जल मग्न हो गए हैं।

यूपी में डॉग शेल्टर की वजह से परिवार घर बेचने को मजबूर

संवाददाता

लखनऊ। करीब दो दर्जन कुत्तों वाले एक आश्रय गृह ने बुजुर्ग पड़ोसि यों को अपना घर बेचने के लिए मजबूर कर दिया है। जानकी पुरम एक्सटेंशन की रहने वाली 65 वर्षीय दीक्षा त्रिवेदी ने अपने दो मंजिला घर के बाहर एक बोर्ड लगाया है, जिस पर लिखा है, "आवारा कुत्तों के आतंक और झूठे आरोपों के कारण यह घर बिक्री के लिए है।" त्रिवेदी ने कहा कि वह अपने पति की सेवानिवृत्ति के बाद घर में आ गईं। उन्होंने कहा, तब से, वह और उसका परिवार अपने पड़ोसी द्वारा बनाए गए आश्रय गृह में रखे गए 30 से अधिक आवारा कुत्तों के कारण समस्याओं का सामना कर रहे हैं। मने किरायेदार रखे थे लेकिन खतरे के कारण वे चले गए। हमने नगर निगम अधिकारियों से शिकायत की है और पड़ोसियों से कुत्तों को कॉलोनी के बच्चों से दूर रखने के लिए कहा है।

देश का सर्वश्रेष्ठ मीडिया शिक्षण संस्थान बना आईआईएमसी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की प्रतिष्ठित पत्रिका इंडिया टुडे के श्बेस्ट कॉलेज सर्वेश में भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी), नई दिल्ली को पत्रकारिता एवं जनसंचार के क्षेत्र में देश का सर्वश्रेष्ठ मीडिया शिक्षण संस्थान घोषित किया गया है। इससे पहले 'द वीक–हंसा रिसर्च' के सर्वे में भी आईआईएमसी को मीडिया शिक्षा के क्षेत्र में देश का सर्वश्रेष्ठ कॉलेज घोषित किया गया था। संस्थान के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी ने कहा कि यह आईआईएमसी परिवार के लिए बड़े ही गर्व का विषय है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अनुराग ठाकुर और संस्थान के चेयरमैन श्री अपूर्व चंद्र के मार्गदर्शन और सहयोग से संस्थान अकादमिक गुणवत्ता के मानकों को स्थापित करने में सफल रहा है। उन्होंने कहा कि आईआईएमसी के सभी पूर्व महानिदेशकों, श्रेष्ठ प्राध्यापकों, अधिकारियों और कर्मचारियों के अथक प्रयास से ही हम लगातार कई वर्षों से पहले स्थान पर हैं। आईआई एमसी ने मीडिया शिक्षण, प्रशिक्षण और शोध के क्षेत्र में एक अलग जगह बनाई है।हमने मीडिया क्षेत्र की जरुरतों के हिसाब से पाठ्य क्रमों को निरंतर अपडेट किया है। यही कारण है कि आईआईएमसी के पूर्व छात्र आज देश के ही नहीं, विदेशों के भी मीडिया, सूचना और संचार संगठनों में नेतृत्वकारी भूमिका में हैं।

हमने ट्रायल्स में छूट नहीं मांगी, यह साबित हो गया तो कुश्ती छोड़ देंगे : बजरंग

एजेंसी

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के ट्रायल्स से छूट मिलने के लिए साथी पहलवानों के विरोध का सामना कर रहे आंदोलन कारी पहलवानों ने शनिवार को आइ ओए के तदर्थ पैनल से इस तरह की छूट की मांग करने से इनकार किया और कहा कि अगर यह साबित हो गया तो वे कुश्ती छोड़ देंगे। लंदन ओलंपिक कांस्य पदक विजेता योगेश्वर दत्त ने शुक्रवार को तदर्थ पैनल के फैसले पर सवाल उठाये थे कि क्या ये पहलवान इस तरह की छूट हासिल करने के लिए ही विरोध कर रहे थे। उन्होंने जूनियर पहलवानों, उनके कोचों और अभि भावकों से इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की बात कही थी। योगेश्वर दत्त ने कुछ और भी आरोप लगाये थे और बजरंग, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट की तिकड़ी ने शनिवार को सोशल मीडिया पर अपने फॉलोअर्स को संबोधित करते हुए पूर्व पहलवान और अब भाजपा नेता द्वारा की गयी टिप्पणियों का जवाब दिया। साक्षी ने कहा, ''हमने ट्रायल्स में छूट नहीं मांगी थी, बस तैयारी के लिए समय मांगा था। '' रियो ओल ंपिक 2016 की कांस्य पदक विजेता साक्षी ने कहा, ''हमने किसी का भी अधिकार नहीं छीना। हमने सिर्फ समय मांगा था क्योंकि हम कुश्ती से छह महीने दूर रहे थे लेकिन आप गलत जानकारी फैला रहे हो।'' तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता बजरंग ने कहा, ''अगर आपको एक मुकाबले के ट्रायल से परेशानी थी तो आपको खेल मंत्री के पास जाना चाहिए था। लेकिन आपने सोशल मीडिया के जरिए जहर फैलाने का फैसला किया।'' उन्होंने साथ ही कहा, ''अगर यह साबित हो जाए कि हमने छूट मांगी थी तो हम कुश्ती छोड़ने को तैयार हैं। हमने छूट के लिए कभी कोई पत्र नहीं लिखा। '' हालांकि तीनों पहलवानों में से किसी ने भी यह नहीं कहा कि वे पूर्ण ड्रा में खेलने के इच्छुक हैं और फाइनल में सीधे प्रवेश स्वीकार नहीं करेंगे।पता चला है कि तदर्थ पैनल में शामिल किए गए दो कोच ज्ञान सिंह और अशोक गर्ग ने ही छह पहलवानों के लिए ट्रायल से छूट मांगी थी। ज्ञान सिंह और अशोक गर्ग पहलवानों के विरोध प्रदर्शन के दौरान जंतर–मंतर पर उनके साथ थे।

यदि भाजपा अगले विस चुनाव के बाद राज्य की सत्ता में आई, तो झारखंड में एनआरसी लागू किया जायेगा

एजेंसी

झारखंड। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने शनिवार को कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद राज्य की सत्ता में आती है, तो राज्य में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआर सी) को लागू किया जाएगा। दास ने यह भी दावा किया कि उन्होंने 2018 में,''झारखंड के आदिवासी बहुल संथाल परगना क्षेत्र, विशेष रूप से पाकुड़ और साहिबगंज जिलों की तेजी से बदलती जनसांख्यिकी'' के मद्देनजर राज्य में एनआरसी लागू करने के लिए केंद्र को पत्र लिखा था।उन्होंने आरोप लगाया, ''बांग्ल ादेशियों की बड़े पैमाने पर घुसपैठ क्षेत्र के निवासियों के लिए एक बड़ी चिंता और खतरा बन गई है... पड़ोसी देश के इन अवैध प्रव ासियों ने स्थानीय महिलाओं से शादी की है और क्षेत्र में हजारों एकड़ जमीन हासिल कर ली है।''उन्होंने कहा कि गोड्डा, देवघर, दुमका, जामताड़ा, साहिबगंज और पाकुड़ जिलों सहित संथाल परगना क्षेत्र में ''तेजी से बद लती जन सांख्ि यकी'' का मुद्दा पहले ही संसद में उठाया जा चुका है।उन्होंने 'पीटीआई –भाषा' से कहा, ''वर्ष 2018 में मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए, मैंने केंद्र सरकार से एनआरसी लागू करने का अनुरोध किया, क्योंकि स्थिति चिंता का विषय बन गई थी। यदि भाजपा 2024 के राज्य विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में आती है, तो एनआरसी लागू किया जाएगा।'' भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दास 2014 और 2019 के बीच राज्य के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने राज्य में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाली सरकार पर ''पड़ोसी देश के घुसपैठिये के मुद्दे को हल करने के लिए कोई कार्रवाई शुरू नहीं करने'' का भी आरोप लगाया। दास ने आरोप लगाया, ''हेमंत सोरेन सरकार तुष्टिकरण की नीति अपना रही है और वोट बैंक के लिए झामुमो सरकार द्वारा घुसपैठियों को संरक्षण दिया जा रहा है।''दास के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए झामुमो के प्रवक्ता मोहन कर्मकार ने कहा, ''अगर बांग्लादेशी अवैध रूप से देश में प्रवेश कर रहे हैं, तो केंद्र सरकार को ऐसी घुसपैठ को रोकने के लिए सीमाओं पर निगरानी रखनी चाहिए। यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी नहीं है।'' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं है, लेकिन वह ''जाति, पंथ और धर्म के आधार पर समाज में विभाजन पैदा करती है।'' उन्होंने कहा, ''भाजपा हमेशा चुनाव से पहले जीत के लिए हिंदुत्व कार्ड खेलती है। उनके पास कोई एजेंडा नहीं है, लेकिन वे झारखंड सहित गैर–भाजपा शासित राज्यों को अस्थिर करने में लगे हुए हैं।'' शुक्रवार को पटना में विपक्षी दलों की बैठक के बारे में एक सवाल पर दास ने कहा कि इसका ''राष्ट्रीय राजनीति या झारखंड की राजनीति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।'' भाजपा नेता ने आरोप लगाया, ''यह ठगों का गठबंधन है। बैठक में विपक्ष के भीतर मतभेद स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे थे और देश के लोग भी उनके इरादों और मकसद से अवगत हैं।3

विपक्षी दलों ने मणिपुर पर जवाबदेही तय करने और बीरेन सिंह को हटाने की मांग की

एजेंसी

मणिपुर । कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने शनिवार को केंद्र सरकार से आग्रह किया कि मणिपुर में हिंसा के मामले में जवाबदेही तय की जाए और शांति सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को पद से हटाया जाए। केंद्र सरकार की ओर से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों ने शांति बहाली के लिए ठोस कदम उठाने का भी आग्रह किया। गृह मंत्री अमित शाह ने सर्वदलीय बैठक में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहले दिन से ही मणिपुर की स्थिति पर लगा तार नजर रख रहे हैं और समस्या का समाधान निकालने के लिए ''पूरी संवेदनशीलता के साथ हमारा मार्गदर्शन'' कर रहे हैं। कांग्रेस की ओर से इस बैठक में मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री ओकराम इबोबी सिंह शामिल हुए। उन्होंने पार्टी की ओर से आठ बिंदु बैठक में रखे जिनमें मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के इस्तीफे की मांग शामिल है।कांग्रेस ने बैठक को 'औप चारिकता' करार देते हुए कहा कि केंद्र को प्रदेश में शांति बहाली के लिए गंभीर पहल करनी चाहिए और मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह का तत्काल इस्तीफा लिया जाना चाहिए। इबोबी सिंह ने कहा कि बीरेन सिंह के मुख्यमंत्री रहते शांति संभव नहीं है। उन्होंने दावा किया कि बैठक में उन्हें कुछ मिनट का समय दिया गया, जबकि उन्होंने अपनी बात रखने के लिए और समय मांगा था। पार्टी महा सचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया, ''तीन घंटे की बैठक में इबोबी सिंह जी को सात–आठ मिनट का समय दिया गया। यह न सिर्फ उनका और कांग्रेस का, बल्कि मणिपुर का भी अपमान है।''कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस मामले पर 'चुप्पी' तोड़नी चाहिए। मेघालय के मुख्यमंत्री और नेशनल पीपुल्स पार्टी के नेता कोनराड संगमा भी बैठक में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि एनपीपी ने मणिपुर की स्थिति को लेकर चिंता जताई है और सरकार से आग्रह किया है कि वह शांति सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदम उठाए। तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओब्रायन ने संवाद दाताओं से कहा, ''पटना में विपक्षी दलों की बैठक के 24 घंटों के भीतर मणिपुर के विषय पर हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने एकजुटता के साथ अपनी बात रखी।'' सर्वदलीय बैठक को लेकर तृणमूल कांग्रेस ने एक बयान जारी कर प्रश्न किया कि क्या सरकार 'मणिपुर को कश्मीर में बदलने की कोशिश कर रही है।' उसने हिंसा प्रभावित मणिपुर में सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडल भेजने की मांग की। राष्ट्रीय जनता दल के नेता मनोज झा ने बताया कि मणिपुर को लेकर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में लगभग सभी विपक्षी दलों का यही कहना था कि मणिपुर की जनता को हां के मुख्यमंत्री पर विश्वास नहीं रहा। झा ने कहा, ''मौते हो रही हैं, पलायन हो रहा है।

डार्क डेज ऑफ डेमोक्रेसी को लेकर पीएम मोदी ने किया ट्वीट

एजेंसी

नई दिल्ली।देश में 25 जून 1975 को आपात काल लगाया गया था, जो कि इतिहास के पन्नों में काले अक्षरों में दर्ज है। आपातकाल को लागू किए हुए देश में अब 48 वर्ष पूरे हो चुके है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया है। इस ट्वीट में उन्होंने उन सभी लोगों को श्रद्धांजलि दी है, जो इमरजेंसी के मौके पर डटे रहे है। गौरतलब है कि पीएम मोदी वर्तमान में मिस्र के दौरे पर है। मिस्र के दौरे पर पीएम मोदी का अंतिम दिन है। पीएम नरेंद्र मोदी रविवार 12 बजे दिल्ली के लिए मिस्र रवाना होंगे। आपातकाल की 48वीं बरसी पर पीएम नरेंद्र मोदी ने ट्वीट भी किया है। उन्होंने लिखा कि,मैं उन सभी साहसी लोगों को श्रद्धां जलि अर्पित करता हूं जिन्होंने आपातकाल का विरोध किया और हमारी लोक तांत्रिक भावना को मजबूत करने के लिए काम किया।

सम्पादकीय

वैश्विक वित्तीय संधि के सम्मेलन से क्या हासिल होगा

बड़े–बड़े देश, छोटे–छोटे देशों के हालात, उनकी मुसीबतों पर बात करने जा रहे हैं। बाईस जून से फ्रांस के राष्ट्रपति की मेजबानी और अध्यक्षता में नई ग्लोबल फाइनेंसिंग संधि पर शिखर बैठक शुरू हो रही है। इस आयोजन के बारे में बड़ी–बड़ी बातें कही जा रही हैं। एक नमूना यह रहा– इस सम्मलेन का लक्ष्य है वैश्विक वित्तपोषण व्यवस्था अर्थात विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष को एक ऐसा नया स्वरुप देना, जिससे वह आने वाले नए दौर के लिए तैयार हो जाएदृ वह दौर, जिसमें जलवायु परिवर्तन होगा और ऋण के बोझ तले दबे देशों पर एक के बाद एक संकट आएंगे। शब्द तो भारी–भरकम हैं, और उम्मीदों और वायदों से लबरेज भी हैं। नई वैश्विक फाइनेंसिंग संधि तैयार करने के लिए हो रहे इस सम्मेलन में चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग, अमेरिका की वित्त मंत्री जैनेट येलेन और कम से 16 अफ्रीकी देशों के राष्ट्रपति भाग लेंगे। खूब बातें होंगीं, बड़ी–बड़ी बातें होंगीं।सम्मलेन के पहले इमैनुएल मैक्रों, जो बाइडेन, ऋषि सुनक, फुमिओ किशिदा और कई अन्य वैश्विक नेताओं ने एक खुले पत्र में दुनिया की विकास संबंधी आवश्यकताओं पर चर्चा की। यह दस्तावेज विकास और समानता लाने और भूख, गरीबी और असमानता को भगाने के साथ–साथ लचीली नीतियों और श्ग्रीनश भविष्य में निवेश की चर्चा भी करता है। इन सभी ने संकल्प व्यक्त किया है कि वे एकजुट होकर, मिल–जुलकर विकासशील देशों के सामने जो चुनौतियां हैं उनसे निपटने और अपने वैश्विक एजेंडे को पूरा करने के लिए काम करेंगे। इसके अलावा और भी कई बातें कही गई हैं।यह सब बहुत ओजस्वी और आशाजनक लगता है। लेकिन क्या सभी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ऐसे ही नहीं होते? पश्चिमी देश बार–बार और लगतार आशा जगाते हैं, लेकिन जहां तक अमल का सवाल है, उनका रिकॉर्ड निराशाजनक रहा है। हाल के समय में बड़े–बड़े वायदे बार–बार तोड़े गए हैं। जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए धनराशि देने के वायदे किए गए परंतु नहीं दी गई। वैक्सीनों की जमाखोरी की गई और अनुदान के बजट में कटौती हुई। अफ्रीकी देश इस सबसे तंग आ चुके हैं। वे चाहते हैं कि सभी संस्थाओं में उन्हें प्रमुख स्थान दिया जाए, उनके कल्याण से संबंधित मामलों में उनके नजरिए को महत्व मिले और उनकी आवाज सुनी जाए। अंगोला की वित्त मंत्री वेरा डेव्स ने इस बारे में बिना लाग–लपेट के अपनी बात रखी और उनकी बात बिल्कुल सटीक है। उन्होंने कहा– जब फैसले लेने वालों को संबंधित देश की जमीनी हकीकत की जानकारी नहीं होती तो वे समस्याओं और परिस्थितियों की ठीक से नहीं समझ पाते। इसलिए यह जरूरी है कि संस्थाओं में हमारी (अफ्रीकियों की) मौजूदगी बढ़े। साफ है कि एक पूरे महाद्वीप को न्यायोचित स्थान नहीं मिल रहा है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में उनकी आवाज नहीं सुनी जाती और यूक्रेन युद्ध के चलते उनकी और अधिक उपेक्षा का अंदेशा है। यह माना जा रहा है कि प्रस्तावित सुधारों के बाद भी अफ्रीका उपेक्षित ही रहेगा। वक्त जरा भी दया नहीं करता। वह क्रूर होता है। पश्चिम भी इस कठिन दौर में समस्याओं से जूझ रहा है। बढ़ती मुद्रास्फीति, चढ़ती ब्याज दरें, मुद्रा के प्रवाह को ठीक करने की जरुरत, कीमतों में इज़ाफा, युद्ध, पुतिन और किम जोंग उन– पश्चिम कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। उसकी प्लेट समस्याओं से भरी हुई है। दूसरी ओर, कई अफ्रीकी और मध्य–पूर्वी देशों में प्लेटों में न तो खाना है और ना पानी। संयुक्त राष्ट्र संघ का 2030 तक घोर गरीबी के उन्मूलन का अभियान अपने लक्ष्य से बहुत दूर रहेगा। चरम मौसमी घटनाओं की संख्या बढ़ती जा रही है और साथ ही कर्ज में डूब चुके या डूब रहे देशों की भी। वैश्विक वित्तीय प्रणाली के कमजोर होने से हालात और बिगड़ रहे हैं। अमेरिका में बढ़ती ब्याज दरों के चलते उन गरीब देशों की मुसीबत और बढ़ गई है, जिन्होंने अमेरिकी डॉलर में कर्ज लिया था। यह उम्मीद थी कि अफ्रीका में क्लीन एनर्जी के लिए विश्व बैंक द्वारा धन उपलब्ध करवाने से निजी क्षेत्र वहां निवेश करने के लिए टूट पड़ेगा। परंतु ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। कर्ज से तेजी से राहत दिलाने के लिए बनाई गई एक नई प्रणाली अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए उपयुक्त नहीं पाई गई। उन देशों पर कठिन शर्तें थोपी जा रही हैं, जिन्हें कर्ज की आवश्यकता है। इसके नतीजे में उनमें से कई चीन की ओर देख रहे हैं। मैक्रों द्वारा आयोजित इस वित्तीय शिखर सम्मलेन से बहुत उम्मीदें हैं और उस पर नजर रखी जा रही है। लेकिन समस्या यह है कि मैक्रों और जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज के अलावा जी–7 देशों की कोई बड़ी हस्ती इस सम्मेलन में भाग नहीं ले रही है। इसी से जाहिर है कि वे इसे कितनी गंभीरता से ले रहे हैं। उन सबने भले ही मिलकर एक खुला पत्र लिखा हो लेकिन उनके स्वंय न आने और सम्मेलन मे अपने प्रतिनिधियों को भेजने से उसका महत्व कम हो गया है। क्या केवल फ्रांसीसी राष्ट्रपति और जर्मन चांसलर ही सही रास्ते पर चलने में दिलचस्पी रखते हैं? इसलिए संभावना यही है कि यह एक और श्रोचक सम्मेलनन्य साबित होगा, जिसमें बड़ी–बड़ी बातें होंगी और बड़ी–बड़ी आशाएं जगाई जाएंगी। लंबे–चौड़े वादे किए जाएंगे– सहायता के, धन के, समर्थन और सहयोग के। परंतु संभावना यही है कि अफ्रीकी देशों और कर्ज के बोझ तले कराह रहे दूसरे देशों के नेताओं के लिए यह सम्मलेन केवल खोखली आशाएं जगाएगा। इन देशों की आवाज दुनिया के उन बड़े नेताओं तक नहीं पहुंचेगी, जिन्होंने इस सम्मलेन में न आकर यह बता दिया है कि वे उसे कितनी गंभीरता से लेते हैं।

विपक्ष की एकजुटता देखकर डर गयी थीं इंदिरा गांधी, थोप दिया था देश पर आपातकाल

बृजनन्दन राजू

लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने रामलीला मैदान पर विशाल जनसमूह के सम्मुख 25 जून, 1975 को कहा, "सब विरोधी पक्षों को देश के हित के लिए एकजुट हो जाना चाहिए अन्यथा यहाँ तानाशाही स्थापित होगी और जनता दुखी हो जायेगी।" 12 जून 1975 को इंदिरा गांधी के रायबरेली से निर्वाचन को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया। कोर्ट के इस फैसले से इंदिरा गांधी तिलमिला उठी। देशभर में छात्र और युवा आंदोलित हो उठे।जब प्रधानमंत्री ने अपनी सदस्यता खो दी है तो उन्हें नैतिक अधिकार नहीं है देश की सत्ता में बने रहने का। इंदिरा गांधी के विरूद्ध देशभर में प्रदर्शन होने लगे। कांग्रेस ने 20 जून, 1975 के दिन एक विशाल रैली का आयोजन किया। इस रैली में देवकांतबरुआ ने कहा,"इंदिरा तेरी सुबह की जय, तेरी शाम की जय, तेरे काम की जय, तेरे नाम की जय"। इसी जनसभा में अपने भाषण के दौरान इंदिरा गांधी ने घोषणा की कि वह प्रधानमंत्री पद से त्यागपत्र नहीं देंगी। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने रामलीला मैदान पर विशाल जनसमूह के सम्मुख 25 जून, 1975 को कहा, "सब विरोधी पक्षों को देश के हित के लिए एकजुट हो जाना चाहिए अन्यथा यहाँ ताना शाही स्थापित होगी और जनता दुखी हो जायेगी।" लोक संघर्ष समिति के सचिव नानाजी देशमुख ने घोषणा कर दी, इंदिरा गांधी के त्यागपत्र की मांग लेकर गाँव–गाँव में सभाएं की जायेंगी और राष्ट्रपति के निवास स्थान के सामने 29 जून से प्रतिदिन सत्य ग्रह होगा।"उसी संध्या को जब राम लीला मैदान की विशाल जनसभा से हजारों लोग लौट रहे थे, तब प्रत्येक धूलिकण से मानो यही मांग उठ रही थी कि "प्रधानमंत्री त्यागपत्र दें और वास्तविक गणतंत्र की परम्परा का पालन करें।" 25 जून 1975 की रात्रि को देश पर आपातकाल थोप दिया गया।पूरा देश स्तब्ध रह गया। भारत के चिरपोषित राजनीतिक मूल्यों पर संकट छा गया। नागरिक अधिकारों का गला घोंट दिया गया था। मीडिया पर सेंसरशिप लगा दी गयी थी। न्यायालयों को निरर्थक बना दिया गया था। दिल्ली में नेताओं की धरपकड़ तेज हो गयी। विपक्ष के बड़े नेताओं उनमें चाहे मोरारजी देसाई रहे हों, चौधरी चरण सिंह,अटल बिहारी बाजपेई और लालकृष्ण आडवाणी को रातोंरात पकड़कर जेल में डाल दिया गया। संघ के सरसंघचालक बाला साहब देवरस को 30 जून को ही नागपुर स्टेशन पर बंदी बना कर यरवदा जेल ले जाया गया। यरवदा जेल में पूज्य बाला साहब देवरस के साथ 500 संघचालक,कार्यवाह और कार्यकर्ता बंद थे। बाला साहब देवरस ने अपनी गिरफ्तारी के पूर्व ही आह्वान किया, "इस असाधारण परिस्थिति में स्वयंसेवकों का दायित्व है कि वे अपना संतुलन न खोएं।संघ पर प्रति बंध लगा दिया गया था। जैसे– जैसे समय बीतता गया शासन प्रशासन का कहर जनता पर बढ़ता गया। आपातकाल के दौरान सरकारी संचार माध्यमों का भी खूब दुरुपयोग किया गया। आल इंडिया रेडियो को इन्दिरा गांधी के भाषणों को प्रसारित करने के आदेश दिये गए।सभी प्रकार की संचार व्यवस्था,यथा–समाचार –पत्र–पत्रि काओं,मंच, डाक सेवा और निव ांचित विधान मंडलो को ठप्प कर दिया गया। प्रश्न था इसी स्थिति में जन आंदोलन को कौन संगठित करे? अंततः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने आपा तकाल के विरूद्ध बिगुल फूंका। सारे समाज में आपातकाल के विरूद्ध वाता वरण बनाने में संघ के कार्यक र्ताओं ने कष्ट सहकर बड़ी बुद्धिमत्ता और धैय से काम लिया। संघ का देश भर में शाखाओं का अपना जाल था और वही इस भूमिका को निभा सकता था। संघ प्रारम्भ से ही जन संपर्क के लिए वह प्रेस अथवा मंच पर कभी भी निर्भर नहीं रहा। अतः संचार माध्यमों को ठप्प करने का प्रभाव अन्य दलों पर तो पड़ा, पर संघ पर उसका रंचमात्र भी प्रभाव नहीं पड़ा। अखिल भारतीय स्तर के उसके केन्द्रीय निर्णय, प्रांत, विभाग, जिला और तहसील के स्तरों से होते हुए गाँव तक पहुंच जाते हैं। जब आपातकाल की घोषणा हुई उस बीच संघ की यह संचार व्यवस्था सुचारु ढंग से चली। भूमिगत आंदोलन के ताने–बाने के लिए संघ कार्यकर्ताओं के घर महानतम वरदान सिद्ध हुए और इसके कारण ही गुप्तचर अधि कारी भूमिगत कार्यकर्ताओं के ठोर ठिकाने का पता नहीं लगा सके। आपातकाल के समय भूमिगत रहते हुए रज्जू भैया,डा.आबाजी थत्ते,बाला साहब भिड़े, चमनलाल जी, ए रामभाऊ गोडबोले,सुंदर सिंह भण्डारी, ओम प्रकाश त्यागी,जगन्नाथ राव जोशी, दादा साहब आपटे और बापू राव मोघे जैसे संघ के अनेक वरिष्ठ प्रचारकों ने जनता का मनोबल बनाए रखने के लिए देशभर में प्रवास किया। आपातकाल विरोधी संघर्ष में 1 लाख से भी ज्यादा स्वयंसेवक सत्याग्रह कर जेल गये। आपातकाल के दौरान सत्याग्रह करने वाले कुल 1,30,000 सत्याग्रहियों में से एक लाख से अधिक सत्याग्रही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के थे। मीसा के अधीन जो 30,000 लोग बंदी बनाए गए, उनमें से 25000 से अधिक संघ के स्वयंसेवक थे। जबकि सत्याग्रह और जेल भरने का अनुभव का दावा करने वाली संस्था कांग्रेस 'ओ' और समाजवादी दल के ज्यादा लोग नहीं जा पाये। संघ के बाद अकाली दल की संख्या थी करीब 12 से 13 हजार थी। बाबा जयगुरूदेव भी मात्र तीन से चार हजार लोग को ही जेल भेज सके। सोशलिस्ट पार्टी के नेताओं की संख्या बहुत सीमित थी, फिर भी अक्सर आपस में झगड़ते रहते थे। संघ के कार्यकर्ता जेलों में बड़े आनंद के साथ घुलमिलकर रहते थे। सभी जेलों में नियमित रूप से सुबह और शाम को संघ की शाखा लगती थी।उसमें शारीरिक और बौद्धिक के कार्यक्रम होते थे। आपात काल विरोधी संघर्ष में राष्ट्रीय स्वय सेवक संघ के 100 कार्यकर्ता अधिक ांशतः बंदीग्रहों और कुछ बाहर आपात काल के दौरान बलिदान हुए। अच्युत पट वर्धन ने लिखा है,"मुझे यह जान कार प्रसन्नता हुई कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यकर्ता राजनीतिक प्रतिरोध करनेवाले किसी भी अन्य समूह के साथ मिलकर, उत्साह और निष्ठा के साथ कार्य करने के लिए, तथा घोर दमन और झूठ का सहारा लेने वाले पैशाचिक शासन का जो कोई भी विरोध कर रहे हों, उनके साथ खुल कर सहयोग करने और साथ देने के लिए तैयार थे। जिस साहस और वीरता के साथ पुलिस के अत्याचारों और उसकी नृशंसता को झेलते हुए स्वयंसेवक आंदोलन चला रहे थे,उसे देखकर तो मार्क्सवादी संसद सदस्य ए के गोपालन भी भावकुल हो उठे थे। उन्होने कहा था "कोई न कोई उच्चा दर्श अवश्य है जो उन्हे ऐसे वीरोचित कार्य के लिए और त्याग के लिए अदम्य साहस प्रदान कर रहा है"।(इंडि यन एक्स प्रेस के 9 जून, 1979) आपा तकाल के दौरान विभिन्न प्रकार की ज्यादतियों को जानने के लिए 1977 में मोरारजी देसाई की सरकार ने 28 मई 1977 को शाह आयोग गठित किया जिसके अध्यक्ष जस्टिसजे सी शाह थे। सभी पहलुओं की जांच करने के बाद शाह आयोग ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि जिस वक्त आपात काल की घोषणा की गई उस वक्त देश में न तो आर्थिक हालात खराब थे और न ही कानून व्यवस्था में किसी तरह की कोई दिक्कत। आपात काल के दौर में आज़ादी के बाद देश के भीतर इतने बड़े पैमाने पर नेताओं की गिरफ्तारी पहली बार हुई थी। भिखारियों की जबरदस्ती नसबंदी की गई बल्कि ऑटो रिक्शा चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए नसबंदी सर्टिफि केट दिखाना पड़ता था। आपातकाल के समय काम कर चुके वरिष्ठ पत्रकार नरेन्द्र भदौरिया अपनी पुस्तक तानाशाही में लिखते हैं कि"जर्मन तानाशाह हिटलर के कालखण्ड में लगभग 15 लाख लोगों को जबरन नपुंसक बनाया गया था जबकि इंदिरा गांधी ने अपने 21 माह के तानाशाही काल में पांच गुना लोगों (पुरूषों –महि लाओं) को नपुंसक बना डाला था। इंदिरा के काल में यह संख्या 60 लाख से अधिक थी। कितने दुर्भाग्य की बात है कि आपातकाल की त्रासद घटनाओं का संज्ञान या तो बहुत हल्के ढ़ंग से लिया गया अथवा विस्मृति के गर्त में धकेलदिया गया।' 'पूरा देश आपात काल के विरूद्ध जब संघर्ष कर रहा था तो कम्युनिस्ट कांग्रेस की हां में हां मिला रहे थे। सीपीआई ने आपातकाल को एक अवसर के रूप में देखा और स्वागत किया। सीपीआई नेताओं का मानना था कि वे आपात काल को कम्युनिस्ट क्रांति में बदल सकते थे। सीपीआई ने 11वीं भटिंडा कांग्रेस में इन्दिरा गांधी द्वारा थोपे गए आपात काल का समर्थन किया था। भारत में तानाशाही नहीं चल सकती। भारत का जन मन लोकतंत्र की हत्या सहन नहीं कर सकता। भारत के सांस्कृतिक और लोकतांत्रिक मूल्यों पर जब–जब भी हमला हुआ है उस अन्याय और अत्याचार के प्रति भारत क जन हमेशा संघर्ष के लिए उठ खड़ा हुआ है।

एकता की तलाश में विपक्षी दल, लेकिन वे कोई न्यूनतम साझा कार्यक्रम देने में नाकाम

संजय गुप्त

भाजपा को केंद्र की सत्ता से हटाने का दम भर रहे विपक्षी दलों की पटना में जो बैठक हुई, वह किसी ठोस नतीजे पर पहुंचती नहीं दिखी। इस बैठक में इतना ही तय हुआ कि सभी दल मिलकर आम चुनाव लड़ेंगे, लेकिन आम आदमी पार्टी जिस तरह साझा प्रेस कांफ्रेंस से दूर रही, उससे यदि कुछ स्पष्ट हुआ तो यही कि विपक्षी एकता की राह आसान नहीं। आम आदमी पार्टी की ओर से यह भी कह दिया गया कि आगे विपक्षी एकता की जिस बैठक में कांग्रेस शामिल होगी, उसमें वह शामिल नहीं होगी। आगे जो भी हो, आम आदमी पार्टी विपक्षी एकता के लिए कोई बहुत अधिक इच्छुक नहीं। इसका कारण यह है कि दिल्ली के बाद पंजाब में सरकार बनाने और राष्ट्रीय दल का दर्जा पाने के उपरांत उसे लग रहा है कि वह कांग्रेस का स्थान ले सकती है। वह

उसके ही जनाधार में सेंध लगा रही है। फिल हाल उसकी प्रथामिकता मात्र इतनी है कि दिल्ली सरकार की सेवाओं को लेकर केंद्र सरकार जो अध्यादेश लेकर आई है, उसका कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दल विरोध करें।कांग्रेस के लिए ऐसा करना आसान नहीं, क्योंकि आम आदमी पार्टी दिल्ली, पंजाब समेत अन्य राज्यों में उसकी ही जड़ें काट रही है। जैसी प्राथमिकता उसकी है, वैसी ही कुछ अन्य दलों की भी। ममता बनर्जी भी समय–समय पर अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट करती रही हैं। उन्हें यह रास नहीं आ रहा कि कांग्रेस बंगाल में वाम दलों के साथ रहे। कुछ अन्य क्षेत्रीय दल भी यह चाह रहे हैं कि कांग्रेस उनके राज्य से या तो दूर रहे या फिर कम से कम सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़े। यह कांग्रेस को शायद ही स्वीकार हो?विपक्षी दलों ने यह तय किया है कि उनकी अगली बैठक शिमला में होगी और उसमें तय होगा कि कौन कहां से चुनाव लड़ेगा? यह तय करना आसान नहीं, क्योंकि कर्नाटक विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस को यह लग रहा है कि वह अपना खोया हुआ जनाधार फिर से हासिल कर रही है। विपक्षी एकता की यह पहली ऐसी कोशिश है, जिसमें क्षेत्रीय दल अपने साथ खड़े होने वाले राष्ट्रीय दल यानी कांग्रेस की कुर्बानी चाहते हैं। वे विपक्षी एकता की कमान अपने हाथ में केवल रखना ही नहीं चाह रहे हैं, बल्कि यह भी बता रहे हैं कि कांग्रेस को क्या करना चाहिए और क्या नहीं?पटना में जुटे विपक्षी दल यही दोहराते रहे कि मोदी को हटाना है। आखिर यह कोई एजेंडा कैसे हो सकता है? उनके पास इस सवाल का जवाब नहीं कि मोदी को हटाकर करना क्या है? विपक्षी दलों ने यह भी दोहराया कि मोदी सरकार के कारण लोकतंत्र और संविधान खतरे में है। जहां राहुल गांधी ने अपना यह घिसा– पिटा बयान दोहराया कि भाजपा और संघ देश की नींव पर आक्रमण कर रहे हैं, वहीं नीतीश कुमार ने मोदी सरकार पर देश का इतिहास बदलने का आरोप लगाया। कुछ इसी तरह की बातें अन्य दलों के नेताओं ने कीं। किसी ने ईडी और सीबीआइ की सक्रियता का रोना रोया तो किसी ने यह आशंका जताई कि यदि भाजपा 2024 में फिर सत्ता में आ गई तो आगे चुनाव ही नहीं होंगे यानी भारत में लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। क्या यह वही बात नहीं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत विरोधी शक्तियां कर रही हैं? भेड़िया आया– भेड़िया आया की तरह से लोकतंत्र खत्म हो जाने का जो शोर मचाया जा रहा, उसका औचित्य सम झना इसलिए कठिन है, क्योंकि देश के एक दर्जन से अधिक राज्यों में गैर भाजपा दल सत्ता में हैं।अभी हाल में कांग्रेस ने हिमाचल और कर्नाटक में विधानसभा चुनाव जीते हैं। यदि मोदी लोकतंत्र खत्म करने में जुटे हैं, जैसा कि विपक्षी दल दावा कर रहे हैं तो फिर विभिन्न राज्यों में गैर भाजपा दल सत्ता में कैसे हैं? क्या लोकतंत्र इसलिए खतरे में है कि भाजपा लगातार दो बार लोकसभा चुनाव जीत गई? क्या लोकतंत्र तब खत्म हो गया था, जब कांग्रेस लगातार केंद्र की सत्ता में रहती थी? क्या विपक्षी दल यह कहना चाहते हैं कि उनके केंद्र की सत्ता में आ जाने से लोकतंत्र मजबूत हो जाएगा?विपक्षी दल कुछ भी दावा करें, इसकी अन देखी नहीं की जा सकती कि मिली –जुली सरकारें किस तरह राष्ट्रीय हितों की अनदेखी करती रही हैं या फिर सहयोगी दलों के अनुचित दबाव और कभी–कभी तो ब्लैकमेलिंग का शिकार होती रही हैं? साझा सरकारें राजनीतिक अस्थिरता का कारण भी बनती रही हैं। विपक्षी दल एकजुट होकर साझा सरकार बनाने की ही कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे कोई न्यूनतम साझा कार्यक्रम देने में नाकाम हैं।न्यूनतम साझा कार्यक्रम के नाम पर उनके पास कुछ है तो केवल यही कि मोदी को हटाना है। समस्या यह भी है कि उनके पास राष्ट्रीय दृष्टिकोण का अभाव है। राष्ट्रीय मुद्दों से अधिक वे क्षेत्रीय मुद्दों को अहमियत देते हैं। कई बार तो इतना अधिक कि राष्ट्रीय महत्व के मुद्दे उनकी प्राथमिकता से बाहर हो जाते हैं। विपक्षी दल देश की जनता का ध्यान खींचने वाला कोई विमर्श भी नहीं गढ़ पा रहे हैं। इस कोशिश में वे हास्यास्पद काम कर बैठते हैं, जैसे कि संसद के नए भवन के उद्घाटन का बहिष्कार।उन्हें कुछ और नहीं सूझता तो कभी वे सेंगोल के पीछे पड़ जाते हैं तो कभी गीताप्रेस को गांधी शांति पुरस्कार देने का विरोध करने लगते हैं। उनका एक राग यह भी है कि अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। यह वही बेसुरा राग है, जो पाकिस्तान अलापता रहता है। राहुल गांधी तो कई बार ऐसे बयान भी दे देते हैं, जो चीन और पाकिस्तान को अधिक रास आते हैंविपक्षी एकता की कोशिश इसके पहले भी हुई है, लेकिन अभी तक का अनुभव बहुत अच्छा नहीं रहा। विपक्षी दल चुनाव के समय एकजुट होने की कोशिश करते हैं और फिर बिखर जाते हैं। इस प्रक्रिया में वे पाला भी बदल लेते हैं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना आज विपक्ष में है और खुद को सेक्युलर बताने में लगी हुई है। कुछ यही हाल जनता दल यूनाइटेड का है। क्या यह विचित्र नहीं कि लंबे समय तक भाजपा के सहयोग से सत्ता में रहे नीतीश कुमार आज विपक्षी एकता के सबसे बड़े पैरोकार हैं?

भाजपा की कहानियों का क्या जवाब है

अजीत द्विवेदी

देश की लगभग सभी विपक्षी पार्टियों के नेता पटना में मिल रहे हैं। अगले साल के लोकसभा चुनाव के लिए इन पार्टियों के बीच एक मोटी सहमति हो गई है कि भाजपा के खिलाफ सबको मिल कर लडऩा है। उसकी बारीकियों, खासतौर से सीटों के बंटवारे या रणनीतिक एडजस्टमेंट के बारे में आगे बात होगी। लेकिन इस राजनीतिक सहमति के आगे क्या? यह यक्ष प्रश्न है कि विपक्षी पार्टियों के पास आम जनता को सुनाने के लिए क्या कहानी है? भारतीय जनता पार्टी के पास ढेर सारी कहानियां हैं– कुछ सच्ची, कुछ झूठी और कुछ अधूरी। अभी 19 जून को महाराष्ट्र की एक सभा में राज्य के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडऩवीस ने कहा कि दुनिया के 120 देशों के राष्ट्रध्यक्षों और प्रधानमंत्रियों ने एक साथ मिल कर नरेंद्र मोदी को अपना नेता चुना है और कहा है कि वे विश्व मंच पर उनकी बात उठाएं। इस कहानी का क्या जवाब विपक्ष के पास है? क्या विपक्ष के नेता भाजपा की ओर से गढ़े जा रहे नैरेटिव के बरक्स अपना कोई काउंटर नैरेटिव गढ़ सकते हैं? फडऩवीस का बयान भाजपा की ओर से सुनाई जाने वाली सैकड़ों कहानियों में से एक कहानी है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका की राजकीय यात्रा और उसके बाद सितंबर में होने वाले जी–20 देशों के नई दिल्ली में होने वाले सम्मेलन से और बल मिलेगा। लेकिन इसके अलावा भाजपा के पास और भी कहानियां हैं। भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सबसे पसंदीदा कहानियों में से एक विपक्ष के भ्रष्टाचार और परिवारवाद की है। केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई से विपक्ष के हर नेता को भ्रष्ट साबित किया गया है। तमिलनाडु में एमके स्टालिन सर कार के मंत्री सेंथिल बालाजी भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार होकर जेल गए तो पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी सरकार के मंत्री पार्थो चटर्जी जेल भेजे गए। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और मंत्री सत्येंद्र जैन जेल भेजे गए।झारखंड में मुख्य मंत्री और कई मंत्रियों पर तलवार लटकी है तो तेलंगाना में मुख्यमंत्री की बेटी केंद्रीय एजेंसियों की जांच के दायरे में हैं। लालू प्रसाद का पूरा परिवार किसी न किसी मामले में उलझा है, तभी सेंथिल बालाजी की गिरफ्तारी के बाद तेजस्वी यादव ने कहा कि गिरफ्तारी का अगला नंबर उनका हो सकता है। बसपा प्रमुख मायावती के भाई और भाभी के खिलाफ जमीन आवंटन के बदले 261 फ्लैट लेने का एक नया मामला आ गया है। जदयू सांसद के बेटे की कंपनी को 16 सौ करोड़ रुपए का ठेका दिए जाने का मामला सबसे ताजा है। समाजवादी पार्टी से लेकर एनसीपी और शिव सेना तक कोई भी पार्टी भ्रष्टाचार के आरोपों से बची नहीं है।इसी तरह परिवारवाद प्रधान मंत्री मोदी और भाजपा का पसंदीदा विषय हैं। पिछले दिनों अमित शाह तमिलनाडु के दौरे पर गए तो उन्होंने 2जी, 3जी, 4जी का जुमला बोला और इसका मतलब समझाते हुए कहा कि मारन परिवार 2जी है यानी दो पीढ़ी से राज कर रहा है, करु णानिधि परिवार 3जी है या तीन पीढ़ी से राज कर रहा है और गांधी परिवार 4जी है, जो चार पीढ़ी से राज कर रहा है। यह जुमला पूरे देश में विपक्षी पार्टियों की साख खराब करने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। पहले भी इसका इस्तेमाल हुआ है और हर बार ऐसा लगता है कि परिवारवाद का जुमला काठ की हांडी है, जो आगे फिर चूल्हे पर नहीं चढ़ पाएगी। लेकिन हर बार भारी भरकम प्रचार के जरिए इस मुद्दे पर आम जनता को भाजपा और अन्य पार्टियों का फर्क समझा दिया जाता है। इस बार भी ऐसा होगा। चुनाव में भ्रष्टाचार और परिवारवाद ये दो मुद्दे ऐसे होंगे, जिन पर भाजपा विपक्ष की एकजुटता को काउंटर करने का अपना नैरेटिव गढ़ेगी। इन दो अहम मुद्दों के बाद विकास और विश्वगुरू का नैरेटिव है। देवेंद्र फडऩवीस ने जो कहानी सुनाई है वह विश्वगुरू वाले नैरेटिव का हिस्सा है। पिछले कुछ समय से भाजपा इसका प्रचार कर रही है कि नरेंद्र मोदी की कमान में दुनिया में भारत का मान बढ़ा है और दुनिया भारत की बात ज्यादा ध्यान से सुनने लगी है। अमित शाह ने एक बार कहा था कि दुनिया में कोई भी बड़ा फैसला अब नरेंद्र मोदी की राय के बगैर नहीं होता है।भाजपा ने इस बात का प्रचार किया कि मोदी ने यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए रूस–यूक्रेन युद्ध रूकवा दिया था। अमेरिका की एक संस्था श्मॉर्निंग कंसल्ट्य के सर्वेक्षण के आधार पर मोदी को साल में दो बार दुनिया का सबसे लोकप्रिय नेता ठहराया जाता है। उस सर्वे के मुताबिक मोदी को 76 फीसदी से ऊपर की एप्रूवल रेटिंग हासिल होती है। भले तमाम अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सूचकांक में भारत की रेटिंग गिर रही है लेकिन मीडिया में मोदी की रेटिंग बढ़ रही है और उसके प्रचार के जरिए जनता को यह भरोसा दिलाया जाता है कि उन्होंने बिल्कुल ठीक नेता चुना है और इससे बेहतर नेता देश में क्या दुनिया में नहीं है। इसका बड़ा मनोवैज्ञानिक असर होता है।विकास का नैरेटिव जितने बेहतर तरीके से नरेंद्र मोदी बेच सकते हैं, वैसा कोई और नहीं बेच सकता है। सबको पता है कि कैसे गुजरात मॉडल देश में बेचा गया था। उसी तरह अब भारत के विकास की कहानियां बेची जा रही हैं। देश में महंगाई कम हो रही है और थोक महंगाई दर माइनस में पहुंच गई है। विकास दर दुनिया में सर्वाधिक है। दुनिया में आ रही आर्थिक मंदी का शून्य असर भारत पर होगा। भारत से 10 हजार करोड़ रुपए का आईफोन का निर्यात हुआ है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ रहा है। देश में 80 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त का अनाज दिया जा रहा है। भारत की विमानन कंपनियां एक बार में पांच–पांच सौ विमान खरीदने के ऑर्डर दे रही हैं। कुल मिला कर यह नैरेटिव बनाया गया है कि जब सारी दुनिया आर्थिक मंदी की चपेट में जा रही है तो एकमात्र चमकदार उदाहरण भारत है और वह नरेंद्र मोदी के चमत्कारिक नेतृत्व की वजह से है। अंत में हिंदुत्व, राष्ट्रवाद और सीमा की सुरक्षा का नैरेटिव है, जो पहले दिन से चला आ रहा है। चीन की घुसपैठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कह दिया कि न कोई घुसा है और न कोई घुस आया है। उनके इस बयान की वजह से भारत कहीं भी चीन की आक्रामकता का बहुत विरोध करने की स्थिति में नहीं है। लेकिन यह बयान यह साबित करने के लिए है कि सीमा सुरक्षित है और जरूरत पडऩे पर भारत बालाकोट या उरी की तरह सर्जिकल स्ट्राइक करने से पीछे नहीं हटेगा। अगला चुनाव आने तक अयोध्या में राममंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो जाएगी और साथ ही कई अन्य मंदिरों के जीर्णोद्धार का काम पूरा हो जाएगा। तभी सवाल है कि भाजपा की इन हजार कहानियों का मुकाबला करने के लिए विपक्ष के पास क्या कहानी है? विपक्ष भाजपा के गढ़े नैरेटिव पर प्रतिक्रिया देता रहेगा या अपना कोई नया नैरेटिव बनाएगा, जिस पर भाजपा प्रतिक्रिया दे?

हर सिगरेट खतरनाक है

श्रुति व्यास

विश्व स्वास्थ्य संगठन की तरफ से जारी ताजा चेतावनी को सामयिक और सही दिशा में कहा जाएगा। संगठन ने कहा है कि ई–सिगरेट का सेवन भी सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी एक प्रमुख चिंता है।समाज में यह गलत धारणा बनाई गई है कि ई–सिगरेट खतरनाक नहीं है। इस भ्रम के कारण कई लोग सिगरेट छोडऩे की कोशिश में इसे अपना लेते हैं। उधर नौजवान भी यह सोच कर इसकी लत पाल लेते हैं कि इसमें वह खतरा नहीं है, जो तंबाकू वाली सिगरेट में होता है।इसलिए इस सिल सिले में विश्व स्वास्थ्य संगठन की तरफ से जारी ताजा चेतावनी को सामयिक और सही दिशा में कहा जाएगा। संगठन ने कहा है कि ई– सिगरेट का सेवन भी साव ंजनिक स्वास्थ्य संबंधी एक प्रमुख चिंता है। डब्लूएचो के मुताबिक भारत में 15 से 30 साल की उम्र के करीब 61 फीसदी ऐसे युवा हैं,जिन्होंने ई–सिगरेट का इस्ते माल नहीं किया है। लेकिन भविष्य में इसकी चपेट में आ सकते हैं। देश और विदेश में हुए एक अध्ययन ई–सिगरेट संबंधी खतरों पर रोशनी पड़ी है। डब्लूएचओ के अनुसार मस्तिष्क के विकास पर निकोटीन के प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभावों और उपकरणों में मौजूद अन्य रसायनों से संभावित खतरों के कारण नौजवान ई–सिगरेट की तरफ खिंच रहे हैं। यह अब एक प्रमुख चिंता बन गया है। खास कर भारत में देखा गया है कि युवा ई–सिगरेट के खतरों से लापरवाह होते जा रहे हैं। स्पष्ट है, इन खतरों के बारे में जाग रूकता लाने के लिए बड़े पैमाने पर मुहिम चलाने की जरूरत है। अध्ययन से सामने आया कि भारत में 51 प्रति शत लोग,जिन्होंने पहले कभी ई–सिगरेट का इस्तेमाल नहीं किया है, वे इसके भविष्य में इस्तेमाल को लेकर उत्सुक हैं। 47 प्रतिशत भारतीयों ने ई–सिगरेट का विज्ञापन देखा है। अध्य यन में शामिल अधिकांश भारतीय पढ़े–लिखे और अमीर परिवारों से थे।इसलिए शोधकर्ताओं ने ई–सिगरेट के विज्ञापनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है। भारत दनिया में तंबाकू के सबसे बड़े बाजारों में एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक लगभग 27 प्रतिशत भारतीय आबादी किसी न किसी रूप में तंबाकू का इस्तेमाल करती है। इन लोगों की इस लत को छुड़ाना एक बड़ी चुनौती है। लेकिन इस लत को छोडऩे को कोशिश में लोग दूसरी खतरनाक लत अपना लें, तो बात जस की तस रहेगी।

25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक का समय इंदिरा गांधी सरकार की मनमानियों का दौर था : अन्नपूर्णा देवी

-भाजपा ने मनाया काला दिवस, याद किया भारतीय लोकतंत्र और राजनीति के सबसे दु:खद आपातकाल का काला दिन

-जेल में डाले गए जेपी, अटल और आडवाणी : पुष्पराज सिंह

-इंदिरा गांधी का न्यायपालिका से टकराव ही इमरजेंसी की पृष्ठभूमि बना था : सुरेन्द्र प्रताप सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय पर जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के अध्यक्षता में आपातकाल पर काला दिवस मनाया गया। जिसमें

मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय शिक्षा राज्यमंत्री अन्नपूर्णा देवी रहीं। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि एवं जिलाध्यक्ष के साथ मंचासीन लोगो ने डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ की गई, तदुपरांत सामूहिक रूप से वंदे मातरम की गीत गया गया ।इस अवसर पर मुख्य अतिथि अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि इतिहास में 25 जून का दिन भारत के लिहाज से महत्वपूर्ण है। देश में 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक की 21 महीने की अवधि के लिए आपातकाल लागू था। तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार की सिफारिश पर भारतीय संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत देश में आपातकाल की घोषणा की थी। आज का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास के लिए किसी काले पन्न्ने से कम नहीं है। इस दिन को यादकर हर भारतीय का सिर शर्म से झुक जाता है। यह समय तत्थ्कालीन इंदिरा गांधी सरकार की मनमानियों का दौर था। उस वक्थ्त सरकार के खिलाफ उठने वाली हर आवाज को दबा दिया गया था।

उन्होंने कहा कि करीब साढ़े चार दशक पहले आज के ही दिन देश के लोगों ने रेडियो पर एक ऐलान सुना और पूरे मुल्क में खबर फैल गई कि भारत में आपातकाल की घोषणा कर दी गई है। सालों बाद भले ही देश के लोकतंत्र की गरिमामयी तस्वीर दुनिया को दिखाई देती है। लेकिन, आज भी अतीत में 25 जून का दिन लोकतंत्र के काले अध्याय के रूप में ही दर्ज है। देश में 21 महीने तक इमरजेंसी लागू रही ।इस अवसर पर तत्कालीन समय के सबसे कम उम्र के आपातकाल के बंदी एवं पूर्व विधायक सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का कुछ कारणों से न्यायपालिका से टकराव शुरू हो गया था। यही टकराव इमरजेंसी की पृष्ठभूमि बना था। 1971 के चुनाव में इंदिरा गांधी की जीत पर सवाल उठाते हुये प्रतिद्वंद्वी राजनारायण ने 1971 में अदालत का दरवाजा खटखटाया था। उन्होंने अपनी याचिका में आरोप लगाया था कि इंदिरा गांधी ने चुनाव जीतने के लिए गलत तरीकों का इस्तेमाल किया है। मामले की सुनवाई हुई और इंदिरा गांधी के चुनाव को निरस्त कर दिया गया। इस फैसले से आक्रोशित होकर ही इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी लगाने का फैसला किया। इंदिरा गांधी इतना क्रोधित हो गई थीं कि अगले दिन ही उन्होंने बिना कैबिनेट की औपचारिक बैठक के आपातकाल लगाने की अनुशंसा राष्ट्रपति से कर डाली। इस पर राष्ट्रपति ने 25 जून और 26 जून की मध्य रात्रि में ही अपने हस्ताक्षर कर डाले। इस तरह देश में पहला आपातकाल लागू हो गया

जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि आपातकाल के ऐलान के साथ ही नागरिकों के मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए थे। अभिव्यक्ति का अधिकार ही नहीं, लोगों के पास जीवन का अधिकार भी नहीं रह गया था। 25 जून की रात से ही देश में विपक्ष के नेताओं की गिरफ्तारियों का दौर शुरू हो गया था। जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, जॉर्ज फर्नाडीस सरीखे बड़े नेताओं को जेल में ठूंस दिया गया था। जेलों में जगह तक नहीं बची थी। आपातकाल के बाद प्रशासन और पुलिस के भारी उत्पीड़न की कहानियां सामने आई थी प्रेस पर सेंसरशिप लगा दी गई थी। हर अखबार में सेंसर अधिकारी बैठा दिया गया। उसकी अनुमति के बाद ही कोई समाचार छप सकता था सरकार विरोधी समाचार छापने पर गिरफ्तारी हो सकती थी। यह सब तब थम सका, जब 23 जनवरी, 1977 को मार्च महीने में चुनाव की घोषणा हो गई ।कार्यक्रम का संचालन सुशील मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में राज्य मंत्री गिरीश चन्द्र यादव, राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी, विधायक गण रमेश सिंह बृजेश सिंह द्वारा लोकतंत्र सेनानी सुरेंद्र प्रताप सिंह, लक्ष्मी शंकर, राजदेव यादव, हरिशंकर यादव, रामसागर तिवारी, मुरलीराम, राजाराम, मिश्रदयाल, लक्ष्मी नारायण, राजबहादुर यादव, रमेश चंद्र मौर्या, माता प्रसाद, पूल्लू राम यादव, आद्याप्रसाद मिश्रा, रमेश चंद्र उपाध्याय, ब्रह्मानंद ओझा, राम जियावन पाल, राम प्रसाद पाल, जनार्दन तिवारी, बलराम चौरसिया, जयप्रकाश तिवारी, इंद्रपाल सिंह, छोटे लाल यादव, गजराज मौर्या, मिठाई लाल, छोटे लाल शुक्ला, राधेश्याम प्रजापति, रामस्वारथ मौर्या, राम अनुज यादव, राजेंद्र प्रसाद, लल्लन यादव, रतिराम यादव, रामजतन, दयाराम, कैलाश नाथ सिंह, रामचेत चौधरी, श्रीमती मनराजी, हीरालाल यादव, दुखरन यादव, उदय भान सिंह, देवी प्रसाद मिश्र, रामामूरत तिवारी, श्रीमती लालती, त्रिभुवन नाथ मौर्या, शेष नारायण, उमाशंकर यादव, लालता प्रसाद यादव, वंशराज सिंह, श्रीमती विद्यावती सिंह, ज्ञानदेव तिवारी, जयंती प्रसाद मौर्या, सत्य प्रकाश श्रीवास्तव, विमल देव तिवारी, भगवती प्रसाद यादव, राम प्रसाद यादव, मदन मोहन यादव, सभाजीत यादव, राम शबद यादव, रामसिंगार यादव को सम्मानित किया गया।

गरीब कल्याण, सेवा और सुशासन नरेंद्र मोदी सरकार की पहचान : डा राकेश त्रिवेदी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शाहगंज तहसील में भारतीय जनता पार्टी के जिला प्रभारी डॉ राकेश त्रिवेदी एवं पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष बीजेपी उत्तर प्रदेश द्वारा मोदी सरकार के 9 वर्ष के महासंपर्क अभियान के तहत उन्होंने कहा कि बीजेपी के राष्ट्र प्रथम के मूलमंत्र के साथ गरीब कल्याण, सेवा और सुशासन नरेंद्र मोदी सरकार की पहचान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को नई दिशा दी और देश को विकास के पथ पर अग्रसर किया। पिछले नौ वर्षो में देश में अभूतपूर्व विकास हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश निरंतर नए कीर्तिमान स्थापित कर आज संपूर्ण विश्व का मार्गदर्शन कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास और सबका प्रयास को आधार बनाया और जाति मजहब सम्प्रदाय से ऊपर उठकर राष्ट्रवाद की भावना को जागृत किया। स्वच्छ भारत मिशन के तहत 11.5 करोड़ शौचालय बनाकर महिलाओ को ससम्मान जीने का अधिकार दिया गया। सुकन्या समृद्धि योजना के तहत 2.73 करोड़ खाते खोले गए और महिला लाभार्थियो को 23 करोड़ से अधिक मुद्रा ऋण प्रदान किया गया। 2014 के पहले संपूर्ण देश आतंकवाद उग्रवाद और नक्सलवाद से इस कदर प्रभावित था कि आए दिन होने वाली घटनाओ में अनगिनत लोंगो की जान चली जाती थी लेकिन 2014 के बाद पूरे देश में एक भी घटना नही हुई। देश का प्रत्येक नागरिक आज अमन-चौन के साथ अपना जीवन यापन कर रहा है। आज मोदी सरकार के कुशल नेतृत्व की ही देन है जो कोरोना जैसी महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद भी भारत में महंगाई दर अन्य देशो की तुलना में बेहद कम है। आज भारत के बढ़ते प्रभाव का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पहली बार भारत दुनिया के दिग्गज देशो का सम्मेलन ळ-20 की अध्यक्षता कर रहा है। 2014 के पहले का भारत रक्षा उत्पादो के लिए आयात पर निर्भर रहता था। आज मेक इन इंडिया के दम पर आत्मनिर्भर भारत की यह स्थिति है कि हम दूसरे देशो को निर्यात कर रहे हैं। आज मोदी सरकार में 58 हजार किलोमीटर से अधिक नेशनल हाइवे का निर्माण हुआ। वहीं तटीय जिलों के समग्र विकास के लिए कुल 1537 परियोजनाएं चल रही हैं जिनकी कुल लागत 6.5 लाख करोड़ है। आज पूरी दुनिया में बचाव और राहत अभियान में भारत के भूमिका की सराहना की जाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध में आप्रेशन गंगा और सूडान में आप्रेशन कावेरी की पूरी दुनिया में चर्चा हुई। आज भारत में कालेधन के खिलाफ व्यापक अभियान छेड़ा गया है जिसके कारण रिकॉर्ड तोड़ जीएसटी कलेक्शन हो रहा है। मोदी सरकार ने सामाजिक सुरक्षा और सामाजिक न्याय को सही अर्थो में परिभाषित कर एक सभ्य समाज का निर्माण किया और भेदभाव रहित समाज में आम जनमानस के जीवन स्तर में व्यापक सुधार किया।

26 जून आरक्षण दिवस के रूप में घोषित किया जाय : अरविन्द पटेल

- धूमधाम से मनाया गया छत्रपति शाहूजी महाराज जयन्ती

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर।जिले के नगर पंचायत कजगांव में सरदार सेना के कार्यकर्ताओं के द्वारा छत्रपति शाहूजी महाराज की जयन्ती धूमधाम से मनाई गयी। जयन्ती समारोह के अवसर पर सरदार सेना के जिलाध्यक्ष अरविन्द कुमार पटेल ने साहू जी महाराज की जीवन काल में किये गये तमाम कार्यों के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि छत्रपति साहू महाराज एक भारत में सच्चे प्रजातंत्रवादी और समाज सुधारक के रूप में जाने जाते थे। वे कोल्हापुर के इतिहास में एक अमूल्य मणि के रूप में आज भी प्रसिद्ध हैं। छत्रपति साहू महाराज ऐसे व्यक्ति थे,जिन्होंने राजा होते हुए भी दलित और शोषित वर्ग के कष्ट को समझा और सदा उनसे निकटता बनाए रखी।उन्होंने दलित वर्ग के बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू की थी।गरीब छात्रों के लिये छात्रावास स्थापित किये और बाहरी छात्रों को शरण-प्रदान करने के आदेश दिये।साहू जी महाराज के शासन के दौरान श्बाल विवाहश पर ईमानदारी से प्रतिबंधित लगाया गया।उनके पिता का नाम श्रीमंत जयसिंह राव आबासाहब घाटगे था। छत्रपति साहू जी महाराज का बचपन का नाम श्यशवंतरावश था। छत्रपति शिवाजी महाराज (प्रथम) के दूसरे पुत्र के वंशज शिवाजी चतुर्थ कोल्हापुर में राज्य करते थे।राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज का जन्म 26 जून 1874 में हुआ था उनके बचपन का नाम यशवंत रॉव था। बाल्य-अवस्था में ही बालक यशवंतराव को छत्रपति साहू जी महाराज की हैसियत से कोल्हापुर रियासत की राजगद्दी को सम्भालना पड़ा था छत्रपति साहू जी महाराज की माता राधाबाई मुधोल राज्य की राजकन्या थी। पिता जयसिंग रॉव उर्फ अबासाहेब घाटगे कागल निवासी थे। उनके दत्तक पिता शिवाजी चतुर्थ व दत्तक माता आनंदी बाई थी। राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज केवल 3 वर्ष के थे तभी उनकी सगी माँ राधाबाई 20 मार्च 1977 को मृत्यु को प्राप्त हुई।छत्रपति संभाजी की माँ का देहांत बचपन में ही हुआ था। इस लिए उनका लालन-पालन जिजाबाई ने किया था।छत्रपति साहू जी महाराज की उम्र जब 20 वर्ष थी,उनके पिता अबासाहेब घाटगे की मृत्यु(20 मार्च1886) हुई थी।छत्रपति शिवाजी महाराज (प्रथम) के दूसरे पुत्र के वंशज शिवाजी (चतुर्थ) कोल्हापुर में राज्य करते थे.ब्रिटिश षडयंत्र और अपने दीवान की गद्दारी की वजह से जब शिवाजी (चतुर्थ)का कत्ल हुआ तो उसकी विधवा आनंदीबाई ने अपने एक जागीरदार अबासाहेब घाटगे के पुत्र यशवंतराव को 17 मार्च सन्‍ 1884 में गोद लिया था अब उनका नाम शाहू छत्रपति महाराज हो गया था।छत्रपति शाहू जी महाराज की शिक्षा राजकोट के राजकुमार विद्यालय में हुई थी। प्रारंभिक शिक्षा के बाद आगे की पढ़ाई रजवाड़े में ही एक अंग्रेज शिक्षक श्स्टुअर्ट मिटफर्ड फ्रेजर श के जिम्मे सौपी गई थी।अंग्रेजी शिक्षक और अंग्रजी शिक्षा का प्रभाव छत्रपति शाहू जी महाराज के दिलों-दिमाग पर गहराई से पड़ा था। वैज्ञानिक सोच को न सिर्फ वे मानते थे बल्कि इसे बढ़ावा देने का हर संभव प्रयास करते थे।पुरानी प्रथा,परम्परा अथवा काल्पनिक बातों को वे महत्त्व नहीं देते थे।दलितों की दशा में बदलाव लाने के लिए उन्होंने दो ऐसी विशेष प्रथाओं का अंत किया जो युगांतरकारी साबित हुईं.पहला,1917 में उन्होंने उस 'बलूतदारी-प्रथा' का अंत किया,जिसके तहत एक अछूत को थोड़ी सी जमीन देकर बदले में उससे और उसके परिवार वालों से पूरे गाँव के लिए मुफ्त सेवाएं ली जाती थीं.इसी तरह 1918 में उन्होंने कानून बनाकर राज्य की एक और पुरानी प्रथा 'वतनदारी' का अंत किया तथा भूमि सुधार लागू कर महारों को भू-स्वामी बनने का हक दिलाया. इस आदेश से महारों की आर्थिक गुलामी काफी हद तक दूर हो गई. दलित हितैषी उसी कोल्हापुर नरेश ने 1920 में मनमाड में दलितों की विशाल सभा में सगर्व घोषणा करते हुए कहा था-'मुझे लगता है अम्बेडकर के रूप में तुम्हे तुम्हारा मुक्तिदाता मिल गया है मुझे उम्मीद है वो तुम्हारी गुलामी की बेड़ियाँ काट डालेंगे उन्होंने दलितों के मुक्तिदाता की महज जुबानी प्रशंसा नहीं की बल्कि उनकी अधूरी पड़ी विदेशी शिक्षा पूरी करने तथा दलित-मुक्ति के लिए राजनीति को हथियार बनाने में सर्वाधिक महत्वपूर्ण योगदान किया किन्तु वर्ण-व्यवस्था में शक्ति के स्रोतों से बहिष्कृत तबकों के हित में किये गए ढेरों कार्यों के बावजूद इतिहास में उन्हें जिस बात के लिए खास तौर से याद किया जाता है और उनके द्वारा आरक्षण की व्यवस्था सन्‍ 1902 के मध्य में साहू महाराज इंग्लैण्ड गए हुए थे। उन्होंने वहीं से एक आदेश जारी कर कोल्हापुर के अंतर्गत शासन-प्रशासन के 50 प्रतिशत पद पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षित कर दिये कोल्हापुर के महाराजा छत्रपति शाहूजी ने अपने दलित सेवक गंगाराम कांबले की चाय की दुकान खुलने पर वहाँ चाय पीने जाने का फैसला किया,पिछली सदी के शुरुआती वर्षों में यह कोई मामूली बात नहीं थी उन्होंने कांबले से पूछा तुमने अपनी दुकान के बोर्ड पर अपना नाम क्यों नहीं लिखा है इस पर कांबले ने कहा कि दुकान के बाहर दुकानदार का नाम और जाति लिखना कोई जरूरी तो नहीं महाराजा शाहूजी ने चुटकी ली ऐसा लगता है कि तुमने पूरे शहर का धर्म भ्रष्ट कर दिया है शाहू जी कोई मामूली राजा नहीं थे बल्कि महाप्रतापी छत्रपति शिवाजी महाराज के वशंज थे कांबले की दुकान पर महाराजा के चाय पीने की खघ्बर कोल्हापुर शहर में जंगल की आग की तरह फैल गई. इस अदभुत घटना को अपनी आँखों से देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे. छत्रपति साहू जी महाराज का निधन 10 मई, 1922 मुम्बई में हुआ। महाराज ने पुनर्विवाह को कानूनी मान्यता दी थी।उनका समाज के किसी भी वर्ग से किसी भी प्रकार का द्वेष नहीं था।

शारदा नहर में नहाने आया युवक गहरे पानी में जाने से डूबा

हरदोई। टड़ियावां इलाके में उमस भरी भीषण गर्मी से छुटकारा पाने के लिए नहर में नहाने आया सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और हादसे की जांच में जुटे है, करीब डेढ़ घंटे बाद शुरू हुई में नहाने आया एक युवक गहराई में जाने से डूब गया। पुलिस ग्रामीणों की मदद से युवक की तलाश में

युवक उसी में डूब गया। युवक अपने चचेरे भाई और दोस्तों के साथ नहाने आया था। इसका पता चलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस हादसे में ग्रामीणों की मदद से युवक की तलाश में जुटी है। टड़ियावां थाना क्षेत्र के जन्सरी निवासी 18 वर्षीय देवेंद्र पुत्र नरेश पाल शनिवार की दोपहर शारदा नहर में नहाने आया था। देवेंद्र अपने चचेरे भाई आदर्श पाल और गांव के साथी शिवम व बहार सिंह के साथ सिकरोहारी पुल पर पहुंचा। जिसने नहर में छंलाग लगाई और गहराई में जाने से डूब गया। नहर में डूबने की सूचना मिलते ही पूरे इलाके में हडकम्प मच गया। हादसे की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार युवक की तलाश अभी तक जारी है। देर से शुरू हुई तलाश से परिजनों में आक्रोश है। परिजनों के मुताबिक देवेंद्र अपने तीन भाइयों में सबसे छोटा था। हरदोई शहर की एक दुकान पर मिठाई की कारीगरी करते हुए अपनी रोजी-रोटी चलाता था। सूचना पर सीओ हरियावाँ शिल्पा कुमारी ने मौके का जायजा लिया और युवक की जल्द तलाश कराने का परिजनों को भरोसा दिलाया है। फिलहाल इस बारे में कोतवाल अशोक कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है, और गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश में जुटी है। एएसपी पश्चिमी दुर्गेश कुमार सिंह ने बताया कि टड़ियावां इलाके की शारदा नहर जुटी है। जल्द ही युवक की तलाश कर विधिक कार्रवाई की जायेगी।

जेईई एडवांस परीक्षा में अर्पित को मिली सफलता पर प्रधानाचार्य परिषद ने जताया हर्ष

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जेईई एडवांस की परीक्षाफल में जिले के रहने वाले अर्पित कुमार ने 399 रैंक हासिल

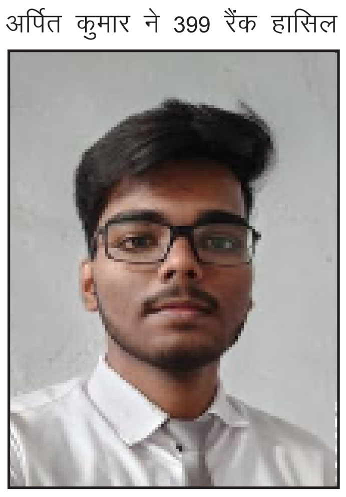

कर जिले का नाम रोशन किया है नगर के विशेश्वरपुर पचहटिया निवासी अर्पित के पिता अरविंद कुमार ग्राम विकास इंटर कॉलेज खुटहन में प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत हैं। वहीं इनकी मां निर्मला देवी गृहणी हैं। अर्पित ने अपनी पढ़ाई दसवीं सेंट पैट्रिक स्कूल जौनपुर एवं 12वी सीएचएस बनारस से किया है। 12 वी के बाद। साल की तैयारी कोटा मैं एलन कैरियर कोचिंग संस्थान से किया है। इस साल पहली बार एडवांस का पेपर दिया जिसमें 114 नंबर आए हैं। जनरल रैंक 13000 और एससी में 399 रैंक आई है। अर्पित ने हर दिन कोचिंग के अलावा लगभग 5-6 घंटे की स्वाध्याय के माध्यम से पढ़ाई करते रहेस अपनी सफलता का श्रेय माता श्रीमती निर्मला देवी को देना चाहूंगा जो साथ में 1 साल साथ रहकर उचित मार्गदर्शन करती रही है। वही पिताजी समय-समय पर हौसला बढ़ाते रहें और प्रेरित करते रहें उनका भी योगदान सराहनीय रहा है ।इस खुशी में उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद के वॉइस प्रेसिडेंट डॉ सुबास चंद्र की अध्यक्षता में बीआरपी इंटर कॉलेज के सभागार में बैठक कर प्रधानाचार्य डॉ जय प्रकाश सिंह बाबा डॉ राकेश सिंह डॉ शंकराचार्य तिवारी डॉ राकेश सिंह बीबीपुर डॉ ओ पी शाही डॉ राकेश सिंह शेरवा डॉ राकेश सिंह सिरसी डॉ ईश्वर यादव डॉ नीरज डॉ भैया लाल सरोज नीरज यादव डॉ अलमदार शिव भूषण चौबे अमरेज सिंह डॉ जोखन सिंह डॉ नितयेन्नद सिंह आलोक सिंह आदि ने प्रधानाचार्य पुत्र की सफलता पर हार्दिक प्रसन्नताव्यक्त करते हुए पूरे परिवार सहित बच्चे को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना किया।

चौकी इंचार्ज ने चलाया चेकिंग अभियान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर में यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित करने के लिए जहां यातायात प्रभारी जीडी शुक्ला द्वारा अभियान चलाया जा रहा है तो वही सरायपोख्ता चौकी इंचार्ज अरविंद कुमार सिंह द्वारा अपने हमरहियो के साथ मछलीशहर पड़ाव बदलापुर पड़ाव ,ओलन्दगंज, जहांगीराबाद, नखास, कालीकुत्ती, आदि जगहों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया ।इस दौरान खासकर अपाचे बाइक सवार को रोककर तलाशी लिया गया। पुलिस द्वारा अचानक तलाशी लेने से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई इस दौरान इनके साथ जितेंद्र सिंह ,विनय सिंह व अन्य सिपाही मौजूद रहे।

समाजवादी पार्टी की पहचान उनके कार्यकर्ताओं से हैं : लालाजी वर्मा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के मंल्हनी विधानसभा के जोनल प्रभारियों, सेक्टर प्रभारियों बूथ प्रभारियों की बैठक आयोजित किया गया मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव विधायक लालजी वर्मा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी की पहचान उनके कार्यकर्ताओं से हैं देश में जीतने भी राजनीति पार्टियां है अगर सबसे मजबूत किसी पार्टी के कार्यकर्ता है तो वह समाजवादी पार्टी के आज एक मजबूत संगठन तैयार करने का लक्ष्य समाजवादी पार्टी ने बनाया है मुझे जौनपुर का प्रभार सौंपा गया है आज मंल्हनी विधानसभा क्षेत्र के संगठन की समीक्षा में हर बूथ पर मजबूत संगठन तैयार देखने को मिला है जीस तरह राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ऐसा ही संगठन पूरे प्रदेश में बनाना चाहते हैं क्योंकि ऐसे ही बूथ तक एक मजबूत संगठन तैयार करके 2024 में लोकसभा चुनाव लड़ना है राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का मानना है कि जो हमारा बूथ का कार्यकर्ता है वह सबसे बड़ा नेता है जो अपना बूथ जीता कर विधायक व सांसद बनाता हैं और कार्यकर्ताओं का सम्मान ही सर्वोपरि है। वहीं मंल्हनी विधायक लकी यादव ने सभी सेक्टर प्रभारियों के साथ संगठन प्रभारी लालजी वर्मा का माला पहनाकर स्वागत किया और आये हुए सभी नेताओं का आभार व्यक्त किया। वहीं सदर विधानसभा के सभी सेक्टर,बूथ प्रभारियों की बैठक हिन्दी भवन में संम्पन्न हुआ बैठक की अध्यक्षता जिलाअध्यक्ष डां अवधनाथ पाल ने किया बैठक में मुख्य रूप विधायक लकी यादव,आदि उपस्थित रहे संचालन रामधारी पाल ने किया ।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मुंगराबादशाहपुर पुलिस टीम ने दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट के मुकदमे में वांछित चल रहे अभियुक्त तेज बहादुर पटेल को किया

गिरफ्तार डा0 अजय पाल शर्मा पुलिस अधीक्षक द्वारा चलाये जा रहे अपराध एवं अपराधियों के सम्बन्ध में विशेष अभियान के क्रम मे श्रीमान् अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) तथा श्रीमान क्षेत्राधिकारी मछलीशहर के कुशल पर्यवेक्षण व दिशा निर्देशन में उ0नि0 कमलेश कुमार मय हमराह पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर मु0अ0स0 180/2023 धारा 376/511 भा0द0वि0 व 7/8 पाक्सो एक्ट थाना मुगराबादशाहपुर जौनपुर में चल रहे वांक्षित अभियुक्त तेज बहादुर पटेल पुत्र भग्वती प्रसाद पटेल निवासी रामपुर दान थाना मुगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर को नियमानुसार आज दिनांक 26.06.23 को राम नगर गेट के पास से गिरफ्तार कर थाना हाजा लाकर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही हैं ।

कढ़ी भात भंडारे के साथ संपन्न हुआ जगन्नाथ जी का रथयात्रा महोत्सव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। श्री जगन्नाथ धाम रासमंडल में विगत दिनों रथ यात्रा के दिन से चली आ रही हरि कथा

का तथा रथयात्रा महोत्सव का विश्राम रविवार प्रातः मुख्य यजमान रोहन सिंह, श्रीमती रोशनी सिंह एवम कृशव सिंह ने संयुक्त रूप से भगवान श्री जगन्नाथ जी, बलभद्र जी व देवी सुभद्रा का षोडशोपचार पूजन आचार्य डॉ.रजनी कान्त द्विवेदी के निर्देशन में संपन्न हुआ। तत्पश्चात कढ़ी भात मौसमी सब्जियों मालपुआ तथा 56 भोग भगवान को अर्पण करने के पश्चात विशाल कढ़ी भात भंडारा आरंभ हुआ, जिसमें भगवान के दर्शन और पूजन की व्यवस्था पंडित निशा कांत द्विवेदी व डॉक्टर गंगाधर शुक्ला, रथयात्रा महोत्सव समिति के अध्यक्ष शशांक सिंह रानू तथा महामंत्री शिव शंकर साहू, नीरज श्रीवास्तव, संजय गुप्ता सीए, श्याम मोहन अग्रवाल, दिनेश टंडन, डॉक्टर रजनीश श्रीवास्तव, आशीष यादव, संतोष गुप्ता दयाशंकर निगम, राजेश गुप्ता, श्रीमती नीलिमा गुप्ता, राधे रमण जायसवाल, जय कृष्ण साहू, गोपाल कृष्ण हरलालका, राजेश जावा,व नगर के गणमान्य लोग कढ़ी भात भंडारे के विभिन्न व्यवस्थाओं में लगे रहे। सात हजार से ऊपर लोगों ने विशाल खड़ी भारत भंडारे के प्रसाद का तथा प्रभु के दिव्य त्रिपुरा दर्शन का लाभ प्राप्त किया।

प्रातः 11:00 बजे से आरती पूजन के बाद शुरू हुआ भंडारा देर रात्रि तक चलता रहा। भंडारे में कई हजार जनमानस स्त्री पुरुष बच्चे साधु संत अनेक सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी गण तथा के नगर के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने जमीन में बैठकर बिना भेदभाव की एक साथ भगवान के प्रसाद को ग्रहण किया। आए हुए सभी अध्यापकों अतिथियों तथा व्यवस्था से जुड़े लोगों के प्रति जगन्नाथ सेवा ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी संतोष गुप्ता तथा मंदिर के महंत पंडित दिनेश चंद जी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

गलत व्यवहार के चलते भर्ती मरीजों का महिला चिकित्सालय से हो रहा मोहभंग

ग्रामीण क्षेत्रों को छोड़कर शहरी मरीज निजी चिकित्सालय में हो रहे भर्ती

अयोध्या।जिला महिला चिकित्सालय में तैनात चिकित्सकों द्वारा भर्ती मरीजों का सही इलाज नहीं करने का मामला प्रकाश में आ रहा है।अगर देखा जाए महिला चिकित्सालय में जहां एक ओर मरीजों से चिकित्सक द्वारा सही इलाज नहीं किया जा रहा है वही वहां पर तैनात नर्सों व अन्य कर्मियों द्वारा मरीजों व उनके परिजनों से सुविधा शुल्क के रुप में घूस भी लेने का मामला प्रकाश में लगातार आ रहा है।इसकी शिकायत पीड़ित मरीज व उनके परिजन मौखिक रुप मे कई बार प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ आर पी वर्मा से भी कर चुके हैं। परंतु यह गंभीर समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है।यही कारण है जिला महिला चिकित्सालय में निजी चिकित्सालय की तुलना में महिलाओं के कम प्रसव हो रहे है। अधिकतर शहरी क्षेत्र के मरीज निजी चिकित्सालय की ओर इलाज कराने जा रहे है।इस चिकित्सालय में अधिकतर मरीज ग्रामीण क्षेत्रों से आ रहे हैं।क्योंकि उनके पास अधिक पैसा न होने के चलते वे अपने मरीजों को मजबूरी में महिला चिकित्सालय में भर्ती करा रहे हैं।इसका अंदाजा जननी सुरक्षा योजना से लाभान्वित प्रसूताओं से लगाया जा सकता है।अगर देखा जाए तो महिला चिकित्सालय में आने वाली इस वर्ष अप्रैल,मई व 18 जून तक कुल 510 प्रसूता जननी सुरक्षा योजना से लाभान्वित हो चुकी है।जिनमें ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली 320 प्रसूताओ को 1400 रुपये के हिसाब से 4 लाख 48 हजार रुपये उनके खाते में भेज दिया गया वही मात्र 190 शहरी प्रसूताओं को 1000 रुपये के हिसाब से 1 लाख 90 हजार रुपये उनके खाते में भेज दिया गया।अगर देखा जाए तो इससे पहले 1 जनवरी 22 से 31 मार्च 23 तक महिला चिकित्सालय में कुल 1039 प्रसूता जननी सुरक्षा योजना से लाभान्वित हो चुकी है।जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली 721 व शहरी क्षेत्र से आने वाली 318 प्रसूता शामिल रही। इससे यही अंदाजा लगाया जा सकता है कि वहां पर भर्ती मरीजों से महिला चिकित्सालय में तैनात चिकित्सकों व कर्मियों द्वारा किए जा रहे उत्पीड़न के चलते लोगों का इस चिकित्सालय से मोहभंग हो रहा है।शहर की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों से अधिक मरीज इस चिकित्सालय में आते हैं।क्योंकि उनके पास पैसों व इस चिकित्सालय में हो रही लापरवाही की जानकारी का अभाव रहता है।जब उनकी मरीज यहां पर भर्ती होते हैं तब उनको इस चिकित्सालय की असलियत मालूम चलती है।तब तक बहुत देर हो चुकी रहती है।इस संबंध में महिला चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ आर पी वर्मा ने बताया कि शिकायत मिलने पर वे संबंधित कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करते हैं।उन्होंने बताया कि वे स्वयं बीच में मरीजों के बीच जाकर उनका हालचाल लेते है।वे मरीजों व उनके परिजनों से अपील भी करते हैं कि चिकित्सालय में किसी भी तरह से असुविधा होने पर मरीज उनसे संपर्क कर अपनी समस्या बता सकते है।

देर शाम एसएसपी राज करन नैय्यर ने किया पूराकलंदर थाना परिसर का औचक निरीक्षण

आगामी पर्व को लेकर सतर्क रहने के दिये निर्देश

अयोध्या। नवागत एसएसपी राज करन नय्यर रविवार को देर शाम थाना पूराकलंदर परिसर का

औचक निरीक्षण किया।इस दौरान वहां पर उन्हें थोड़ी बहुत कमियां दिखाई दिया जिसे प्रभारी निरीक्षक थाना पूराकलंदर रतन कुमार शर्मा को इसमें सुधार लाने की हिदायत दिया। इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद प्रभारी निरीक्षक थाना पूराकलंदर से सुरक्षा व्यवस्था मे कोई कोताही न करने की बात कही।उन्होंने कहा कि आगामी त्यौहारों को लेकर हम सभी को सजग रहना होगा।पुलिस को जिस भी व्यक्ति से कोई खतरा लगे कि आने वाले त्यौहार पर खलल उत्पन कर सकता है उसे तुरंत हिरासत में लेते हुए जेल भेजे। एसएसपी राज करन नैय्यर ने प्रभारी निरीक्षक को निर्देश दिया कि क्षेत्र में त्यौहार को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये शांति कमेटी की बैठक कर आपसी सामंजस्य स्थापित करे। इस मौके पर उन्होंने थाने के अभिलेखों, कार्यालय, भोजनालय, बैरिक, महिला हेल्प डेस्क आदि का निरीक्षण किया।फिलहाल जब तक एसएसपी राज करन नैय्यर थाना पूराकलंदर परिसर में रहे तब तक प्रभारी निरीक्षक सहित अन्य पुलिस कर्मियों के चेहरों पर किसी कार्यवाही को लेकर चिंता की लकीरें साफ साफ दिखाई दे रही थी।

मैटर मोटर वर्क्स ने अपनी ऐरा मोटरबाइक्स के लिए एयरटेल के साथ साझेदारी की

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। टेक्नोलॉजी बेस्ड स्टार्टअप मैटर मोटर वर्क्स और भारत की अग्रणी टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर, भारती एयरटेल ने आज भारत की पहली गियर वाली इलेक्ट्रिक मोटरबाइक, मैटर ऐरा में एयरटेल के आईओटी सॉल्यूशंस का प्रयोग करने के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदारी की घोषणा की। इस साझेदारी के तहत, एयरटेल मैटर ऐरा बाइक्स को एडवांस्ड ऑटोमोटिव ग्रेड ई–सिम्स से सक्षम बनाएगा। इन बाइक्स की प्री–बुकिंग 17 मई से शुरू हो चुकी है। पहले चरण में, 60,000 मैटर बाइक्स को उन्नत आईओटी सुविधाओं वाले एयरटेल ई–सिम्स से सक्षम किया जाएगा, जो एयरटेल के पैन–इंडिया सुपीरियर नेटवर्क पर एक स्मार्ट और कनेक्टेड अनुभव प्रदान करेगा। मैटर की अगले तीन वर्षों में ऐसी 300,000 से अधिक बाइक बनाने की योजना है। एयरटेल का उन्नत आईओटी प्लेटफॉर्म, ष्एयरटेल आईओटी हबष, इन वाहनों की रीयल टाइम ट्रैकिंग, टेल्को ग्रेड सुरक्षा के साथ अत्यधिक विश्वसनीयता को बनाए रखते हुए, इन वाहनों के प्रदर्शन की निगरानी करने में मदद करेगा। एयरटेल आईओटी हब से मैटर को एडवांस एनालिटिक्स की भी सुविधा उपलब्ध होगी। हरीश लड्ढा, सीईओ – इमर्जिंग बिजनेस, एयरटेल ने साझेदारी पर कहा, "एयरटेल और मैटर की साझेदारी ग्राहकों तक भारत की सर्वश्रेष्ठ मोबिलिटी सॉल्यूशंस लेकर आएगी। एयरटेल भारत की सबसे अग्रणी सेल्युलर आईओटी कंपनी है और हमारी तकनीक भारत के लिए ग्रीन मोबिलिटी सेक्टर के लिए उपयुक्त है। जैसे जैसे देश केबिन फुटप्रिंट को कम करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की ओर अग्रसर है, ग्रीन मोबिलिटी भारत को नेट जीरो लक्ष्यों को हासिल करने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। एयरटेल सक्रिय रूप से, अपनी आईओटी की पहल को आगे बढ़ा रहा है और इसके लिए विभिन्न क्षेत्र जैसे इलेक्ट्रिक वाहन, ऑटोमोटिव, यूटिलिटीज, लॉजिस्टिक्स और फिन–टेक क्षेत्र में विभिन्न कंपनियों के साथ सहयोग कर रहा है। हमें विश्वास है कि आने वाले महीनों में एयरटेल भारत की आईओटी यात्रा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मैटर के फाउंडर और सीईओ, मोहल लालभाई ने कहा, ष्इंटरनेट–इनेबल्ड मोटरबाइक्स में कनेक्टेड अनुभवों को प्रस्तुत करने और उन्हें बेहतर करने की क्षमता है, जो मैटर्स ऐरा को भविष्य की स्मार्ट बाइक बना देती है। हम ग्राहकों के अनुभवों को लगातार बेहतर बनाने के लिए आईओटी की क्षमता का उपयोग कर रहे हैं और आवागमन के दौरान कनेक्टेड रहने की अपनी यात्रा शुरू करने के लिए एयरटेल के साथ जुड़कर बेहद प्रसन्न हैं।

सामाजिक न्याय के लिए जनजाति समुदाय की राजनीतिक भागीदारी आवश्यक : विनय प्रकाश गोंड

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ। दारुल सफा स्थित सामुदायिक भवन में रविवार को प्रदेश स्तरीय जनजाति गौरव सम्मेलन का

आयोजन हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कुशीनगर जनपद अंतर्गत रामकोला के विधायक विनय प्रकाश गोंड ने कहा कि भारत में सामाजिक न्याय के लिए जनजाति समुदाय का उचित राजनीतिक प्रतिनिधित्व होना आवश्यक है।वर्तमान में राजनीतिक भागीदारी न होने के कारण जनजाति समुदाय अपने आप को उपेक्षित महसूस कर रहा है।भारतीय जनता पार्टी की वर्तमान सरकार जनजाति समुदाय के हितों के लिए समर्पित है परंतु इस समर्पण भाव को जन जन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी हम सभी की प्रबल जिम्मेदारी है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रिटायर्ड मुख्य विकास अधिकारी शिवनारायण ने किया।इस अवसर पर जनजाति समुदाय ने एक सुर में यह प्रस्ताव पारित किया कि उत्तर प्रदेश के मंत्रिमंडल में जनजाति समुदाय का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए क्योंकि विगत चुनाव में जनजाति समुदाय ने भारतीय जनता पार्टी को पुरजोर तरीके से समर्थन देने का कार्य किया है। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव बिंदेश्वरी गोंड ने कहा कि प्रदेश में जनजाति समुदाय भय मुक्त वातावरण में जीवन यापन कर रहा है परंतु कुछ विसंगतियों के कारण प्रदेश के कुछ जनपदों में जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने में समस्या उत्पन्न हो रही है जिसे सरकार को दूर करना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी की सरकार जनजाति समुदाय के हितों के लिए कार्य कर रही है। इस अवसर पर प्रीतम नाथ गोंड, चंदन कुमार गोंड, दशरथ प्रसाद, सुरेंद्र गोंड, रविंद्र गोंड, राम ज्ञान गोंड, राजेश गोंड,अवधेश गोंड, दिग्विजय गोंड, गोविंद गोंड,गोरख गोंड, बैजनाथ गोंड सूरज गोंड, मुकेश गोंड, रत्नेश गोंड, उपेंद्र गोंड, उमेश गोंड, विमलेश गोंड, कैलाश नाथ गोंड, किशन लाल गोंड, बलराम गोंड, राम लगन गोंड, अनिरुद्ध गोंड, जय हिंद गोंड, अमन गोंड, अनिकेत गोंड, चंदन गोंड, सूरज गोंड, दिवेश गोंड, विवेक गोंड, सुनील गोंड सहित सैकड़ों की संख्या में जनजाति समाज के लोग उपस्थित रहे।

26वीं पूर्वी जोन अंतर वाहिनी तैराकी एवं क्रास कंट्री प्रतियोगिता 2023 का हुआ शुभारंभ

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव)34 वाहिनी पीएसी वाराणसी मीडिया सेल के मुताबिक 26वी अंतर वाहिनी तैराकी व क्रॉसकंट्री प्रतियोगिता–2023 का

शुभारंभ मुख्य अतिथि तथा आयोजन सचिव डाव राजीव नारायण मिश्र, आईपीएस, सेनानायक, 34वीं वाहिनी पीएसी द्वारा बीएचयू तरणताल वाराणसी में किया गया।इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश पीएसी की विभिन्न 10 वाहिनियों से (4वीं वाहिनी, 12वीं, 20वी, 33वी, 34वी, 36वी, 37वी, 39वी, 42वी तथा 48वीं वाहिनी) से कुल 260 खिलाड़ियों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है।पीएसी अंतर वाहिनी के विभिन्न श्टीम मैनेजर्सश से मुख्य अतिथि द्वारा परिचय प्राप्त किया गया। समस्त टीमों को ग्राउण्ड से मार्च पास्ट की कार्यवाही बैण्ड की मधुर धुन पर सभी टीमों द्वारा उत्कृष्ट श्टर्नआउटश के साथ संपन्न हुई। टीमों के श्मार्च पास्टश द्वारा दिये गये अभिवादन को मुख्य अतिथि श्री मिश्र द्वारा सलामी मंच से स्वीकार किया गया। प्रतिभागियों के इस अच्छे प्रदर्शन का दर्शकों द्वारा ताली बजाकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि डॉ राजीव नारायण मिश्र, आईपीएस द्वारा सलामी मंच से इस प्रतियोगिता के शुभारंभ की घोषणा की गयी। कार्यक्रम के दौरान नरेश सिंह यादव, सहायक सेनानायक, अरुण सिंह सहायक सेनानायक, शिवनारायन सैन्य सहायक,अजय प्रताप सिंह, शिविरपाल, गोपाल जी दूबे सूबेदार मेजर व वाहिनी के अन्य अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

नव चयनित ब्राह्मण लोकसेवकों, सैन्य अधिकारियों को ब्रह्मसागर विशिष्ट प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया

– नव चयनित आईएएस, आईपीएस, सैन्य अधिकारियों और पीसीएस को कश्मीर के शंकराचार्य ने अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अभी हाल ही में भारतीय सिविल सेवा और प्रांतीय सिविल सेवा में उत्तीर्ण देश के होनहार

नव चयनित 33 ब्राह्मण प्रशासनिक अधिकारियों (आईएएस, आईपीएस और पीसीएस एवं सैन्य अधिकारियों) को उनका मनोबल बढाने के उद्देश्य से लखनऊ में आयोजित एक भव्य समारोह में श्रीमद्जगद्गुरु शंकराचार्य अनंतश्री विभूषित अमृतानंद देवतीर्थ, शारदा सर्वग्य पीठम श्रीनगर कश्मीर द्वारा आशीर्वचन, अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर 'ब्रह्मसागर विशिष्ट प्रतिभा सम्मान' से सम्मानित किया गया, इसके अलावा ब्रह्मसागर के कार्यकारिणी के पदाधिकारियों, ब्रह्मसागर सन्देश नामक स्मारिका के लेखक गणों एवं सहयोगियों को भी 'ब्रह्मसागर विशिष्ट प्रतिभा सम्मान' से सम्मानित किया गया कार्यक्रम की शुरुवात बटुकों द्वारा स्वस्ति वाचन और अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अयोध्या से पधारे स्वामी वासुदेवाचार्य विद्याभास्कर जी और अध्यक्षता कश्मीर के शंकराचार्य अमृतानंद देवतीर्थ, जी ने की अतिथियों का स्वागत संबोधन कैप्टन संतोष कुमार द्विवेदी, कार्यक्रम का सञ्चालन प्रख्यात उद्घोषिका अनीता सहगल ने और धन्यवाद् ज्ञापन चन्द्रिका प्रसाद तिवारी ने किया संतों ने अपने अपने उद्बोधन में सम्मानित विभूतियों को कर्त्तव्य निष्ठा का पालन करते हुए देश को एक समृद्ध, और आत्मनिर्भर भारत बनाने में सक्रिय सहयोग देने की सीख के साथ उनके उज्जवल भविष्य की कामना की तथा ब्रह्मसागर द्वारा किये जा रहे ऐसे अभिनव प्रयासों की की सराहना करते हुए अपना सहयोग देते रहने का आश्वासन दिया सम्मान पाने वाले भारतीय सिविल सेवा और प्रांतीय सिविल सेवा में नव चयनित प्रशासनिक अधिकारियों नाम इस प्रकार हैं स्मृति मिश्रा, कुश मिश्र,अक्षिता निधि,कृतिका मिश्र, सूरज तिवारी, चौतन्य अवस्थी, नारायण उपाध्याय,अमृतेश शुक्ला, सिद्धार्थ के मिश्र (9 भारतीय सिविल सेवाल के), ऐश्वर्या दुबे, प्रतीक्षा पाण्डेय, कुमार गौरव, संदीप कुमार तिवारी, अनुपम तिवारी, आकांक्षा दीक्षित,विजय कुमार शुक्ल (7 PCS), अमित पाठक, कृष्णकान्त त्रिपाठी, हेमंत, मयंक त्रिपाठी, पुनीत मिश्र, शशांक शेखर त्रिपाठी, भूपेश कुमार पाण्डेय, अनिरुद्ध पांडेय, कौस्तुभ त्रिपाठी, तेजस त्रिपाठी,आनंद कुमार शुक्ल, प्रियम राजशेखर पांडेय, नितिश कुमार तिवारी, राज भूषण पांडेय, विवेक कुमार तिवारी (15 पुलिस उपाधीक्षक) और विवेक कुमार पांडेय,आकाश पांडेय,(2 कोषाधिकारी) लेफ्टिनेंट पीयूष पाण्डेय ब्रह्मसागर परिवार ने अपने संरक्षकों, स्मारिका संपादन में सहयोग देने वाले लेखकों सहित अपने कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को भी श्रीमद्जगद्गुरु शंकराचार्य अनंतश्री विभूषित अमृतानंद देवतीर्थ, कश्मीर द्वारा ब्रह्मसागर विशिष्ट प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया सम्मानित होने वालों में नागेश्वर नाथ उपाध्याय, कैप्टन संतोष कुमार द्विवेदी, चन्द्रिका प्रसाद तिवारी, राजेंद्र प्रसाद शुक्ल, दयाशंकर पांडेय, कृष्णानंद चौबे, वेद्व्रत बाजपेयी,प्रमिल द्विवेदी, ओम प्रकाश चतुर्वेदी,डॉ सुषमा मिश्रा, श्वेता शुक्ल,अभिषेक मिश्र, उमाशंकर दुबे, ब्रजेश चन्द्र मिश्र, माला द्विवेदी, रेखा त्रिपाठी और बृजेश मिश्र आदि सहित कई अन्य विभूतियां यह सम्मान समारोह शहर के गोमती नगर में स्थित एक होटल किंग्स्टन में आयोजित किया गया था देश की विशिष्ट प्रतिभाओं को अपना आशीर्वाद देने के लिए देश प्रदेश के अनेक अंचलों से पधारे संतो एवं प्रबुद्धजनों जिनमे से प्रमुख रूप से उपस्थित थे श्रीमद्जगद्गुरु शंकराचार्य अनंतश्रीविभूषित अमृतानंद देवतीर्थ, शारदासर्वग्य पीठम कश्मीर, श्री श्री १००८ जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी वासुदेवाचार्य विद्याभास्कर जी महाराज,अयोध्या, ब्रह्मचारी आचार्य स्वामी कौशिक चौतन्य जी महाराज चिन्मय मिशन लखनऊ, महंत श्री कृष्णाचारी जी महाराज,पीठाधीश्वर बड़ा मंदिर खैराबाद सीतापुर,ज्योतिषाचार्य राकेश तिवारी महंत श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर अयोध्या, नागेश्वर नाथ उपाध्याय , सेवा निवृत्तIAS एवं संरक्षक ब्रह्मसागर, महेश चन्द द्विवेदी IPS, पूर्व DGP एवं संरक्षक ब्रह्मसागर,कैप्टन संतोष कुमार द्विवेदी ,सेवा निवृत्त IAS, संस्थापक अध्यक्ष ब्रह्मसागर बताते चलें कि जगद्गुरु आदि शंकराचार्य की प्रेरणा से भारत की सनातन संस्कृति, ज्ञान, और गौरवशाली मूल्यों की पुनर्स्थापना के संकल्प के साथ अखिल भारतीय संस्था "ब्रह्मसागर" का गठन समाज के प्रबुद्ध वर्ग तथा सनातन संस्कृति के पोषक विचारधारा के चिंतनशील प्रबुद्धजनों द्वारा "ब्रह्मजन हिताय सर्वजन सुखाय" के ध्येय वाक्य के साथ लखनऊ में किया गया था, हमारे ब्रह्मसागर परिवार को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त आध्यात्मिक धर्मगुरु, चिंतक, वैज्ञानिक, शिक्षाविद, वैदिक मर्मज्ञ, ब्रह्मांडीय ऊर्जाशास्त्री, सनातनी इतिहासकार, तकनीकी विशेषज्ञ, प्रशासनिक अधिकारी आदि सहित मनीषा जगत की महान विभूतियों का समर्थन प्राप्त है।

बकरीद एवं श्रावण माह पर्व आपसी सामंजस्य से मिलकर मनाएं,थाने में हुई गणमान्य नागरिकों की बैठक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

खरगूपुर,गोंडा। बकरीद एवं श्रावण मास को लेकर थाना परिसर में गणमान्य नागरिकों की बैठक कर आपसी तालमेल तथा सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाए जाने का आवाहन किया गया। स्थानीय थाना परिसर में ईद उल जुहा बकरीद का त्यौहार के साथ ही आगामी श्रवण मास को लेकर प्रसिद्ध पृथ्वीनाथ मंदिर में लगने वाले मेला तथा जलाभिषेक एवं पूजन अर्चन निर्विवाद एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में पूर्व परंपरा के अनुसार मनाया जाए। मवेशियों का वध खुले एवं सार्वजनिक स्थानों पर ना कर अपने अपने घरों में ही किया जाए। बकरों के कुर्बानी करते फोटो वीडियो कतई इंटरनेट मीडिया पर सार्वजनिक न करें। बैठक में मौजूद गणमान्य नागरिकों का आह्वान किया गया कि वह आपसी भाईचारा के साथ दोनों कार्यक्रमों को संपन्न कराने में पुलिस एवं प्रशासन का सहयोग करें। ऐसा कृति ना करें जिससे माहौल खराब हो। थाना परिसर में आयोजित बैठक में ग्राम प्रधान अफसर अली निजामुद्दीन खान मैनुद्दीन खान साबित अली,पूर्व जिला पंचायत सदस्य महेंद्र मिश्र,देवी तिवारी सूरज देवराज,वेद प्रकाश गुप्ता संतोष श्रीवास्तव बृजभूषण ओझा, नईम हाशमी, काली प्रसाद कौशल सहित तमाम लोग मौजूद रहे। बैठक को उपनिरीक्षक अखिलेश यादव चंद्र भूषण पांडे डी एन चतुर्वेदी ने शासन एवं पुलिस विभाग के निर्देशों से लोगों को अवगत कराया।

इलाहाबाद बैंक स्टाफ एसोसिएशन उत्तर प्रदेश का 13 वां प्रांतीय अधिवेशन संपन्न हुआ

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

राजधानी लखनऊ में इलाहाबाद बैंक स्टाफ एसोसिएशन

उत्तर प्रदेश का 13वां प्रांतीय अधिवेशन बड़े ही धूमधाम से लगभग 300 प्रांतीय प्रतिनिधियों एवं पर्यवेक्षक गण तथा सम्मानित अतिथियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ सम्मेलन के स्वागत समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर एस के अग्रवाल विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र लखनऊ विश्वविद्यालय रहे जिनके द्वारा स्वागत भाषण पढ़ा गया तथा देश की समसामयिक आर्थिक नीतियों पर भी प्रकाश डाला गया

सम्मेलन के उद्घघाटनकर्ता श्री मदन मोहन राय महामंत्री यूपीबीईयू आगरा रहे जिन्होंने अपने संबोधन में यह बताया कि राज्य स्तर पर यूपीबीईयू देश के सबसे बड़े बैंक कर्मचारी संगठन ऑल इंडिया बैंक इम्पलाइज एसोसिएशन से संबंद्ध है श्री राय ने बताया कि यघपि इलाहाबाद बैंक का भारत सरकार के निर्देश पर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी गजट दिनांक चार तीन 2020 के अनुसार इंडियन बैंक में विलय हो गया है परंतु दोनों बैंकों के कार्यरत बहुसंख्यक यूनियनों का आपस में विलय अभी न होने के कारण वैद्यानिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर यह अधिवेशन करना पड़ा जिसमें आगामी तीन वर्षों हेतु पदाधिकारियों का निर्वाचन भी हुआ जिसकी सूची संलग्न है श्री राय ने सभा में उपस्थित बैंक कर्मियों को संबोधित करते हुए आगे कहा कि बैंक कर्मियों का 11 वां द्विपक्षीय समझौता 11 नवंबर 2020 को हस्ताक्षरित हुआ परंतु बहुत से मुद्दे अभी छूट गए हैं हमारी मुख्य मांगों में सप्ताह में 5 दिन कार्य दिवस पेंशन का अघतनीकरण नई पेंशन योजना के स्थान पर पुरानी पेंशन योजना निरंतर बढ़ते हुए काम को देखते हुए आवश्यकतानुसार कर्मचारियों की भर्ती 12 वां द्विपक्षीय समझौता बैंक कर्मियों के मेडिकल इंश्योरेंस के अतिरिक्त सहकारी बैंकों में 2 टियर प्रणाली सहकारी बैंकों का आपस में विलय सहकारी बैंकों का पर्याप्त रूप से पूर्नपूजीकरण सभी सहकारी बैंक कर्मियों को पेंशन के अतिरिक्त किसी भी सरकारी क्षेत्र के बैंक का निजीकरण ना करने की मांग है श्री राय ने अंत में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की पूरी टीम को बधाई देते हुए अपने उद्घाटन भाषण का समापन किया।

हिन्दी सांध्य दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/**R-1**

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।